रायपुर

मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

वर्ष-07, अंक-292

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

एलपीजी ब्लास्ट ने छीनी 4 जिंदगियां, 3 महीने का बच्चा और 4 साल की बच्ची बेसहारा



नई दिल्ली। दिल्ली के नजफगढ़ में 22 सितंबर को संदिग्ध एलपीजी गैस लीक से हुए धमाके ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। हादसे में झुलसे छह लोगों में से 12 दिनों के भीतर चार की मौत हो गई।नई दिल्ली- एक गैस लीकेज से हुआ धमाका और हंसते-खेलते परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। दिल्ली के नजफगढ़ में हुए इस हादसे ने 12 दिनों के भीतर एक ही परिवार के चार लोगों की जान ले ली। पीछे रह गए 53 साल के रामजी लाल, जिनके सामने अब अपने परिवार को संभालने के साथ दो मासूम बच्चों की जिम्मेदारी भी है।यह हादसा 22 सितंबर की रात रणाजी एन्क्लेव स्थित घर में हुआ था।

प्रज्ञान ओझा बीससीसीआई के चीफ सिलेक्टर बने



नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को BCCI का चीफ सिलेक्टर बनाया गया है। वहीं पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को सिलेक्शन कमिटी में शामिल किया गया है। पोवार ने अजित अगरकर की जगह ली है।नई पुरुष चयन समिति में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन), शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार शामिल हैं।पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और 31 वनडे खेले हैं। वह मुंबई के पूर्व भारतीय स्पिनर हैं। इसके अलावा, वह दो अलग-अलग कार्यकाल में भारतीय सीनियर विमेन टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

प्रज्ञान ने इंटरनेशनल करियर में 140+ विकेट लिए

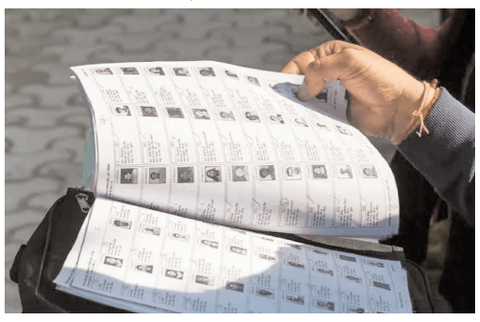
प्रज्ञान ओझा ने भारत के लिए 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी-20 इंटरनेशनल खेले।

दिल्ली से दुबई जाने वाली फ्लाइट से पक्षी टकराया-आगे का हिस्सा डैमेज, टेकऑफ करते समय हादसा



नई दिल्ली। दिल्ली से दुबई जाने वाली एमिरेट्स की फ्लाइट श्वच 517 टेकऑफ के दौरान एक पक्षी से टकरा गई। जिसके चलते विमान के आगे का हिस्सा पिचक गया। फ्लाइट को शाम 4:25 बजे उड़ान भरनी थी। घटना के बाद एयरपोर्ट पर ग्राउंड स्टाफ ने विमान की पूरी जांच की।वीडियो में एयरपोर्ट कर्मचारी विमान के नोज कोन (अगले हिस्से) की जांच करते नजर आए। बर्ड स्ट्राइक तब होती है जब उड़ान के दौरान या टेकऑफ और लैंडिंग के समय पक्षी विमान से टकराते हैं। इससे विमान के इंजन और विंडशील्ड को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है।

महाराष्ट्र-मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने फॉर्म-6 में बदलाव का प्रस्ताव भेजा



मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने फॉर्म-6 में बदलाव का प्रस्ताव चुनाव आयोग को भेजा है। इससे स्स्क्रमें हटे वोटर दोबारा नाम जुड़वा सकेंगे।प्रस्ताव में कहा गया है कि जो लोग वोटर लिस्ट में दोबारा नाम जुड़वाना चाहते हैं, ऐसे वोटरों से पहली बार वोटर बनने की घोषणा न कराई जाए। क्योंकि झूठी घोषणा पर एक साल तक जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

महाराष्ट्र में स्स्क्रअभी चल रहा है।से नाम जुड़वाने को कहा जा रहा है।फॉर्म-6 में अभी ये बताना होता है कि वह पहली बार मतदाता सूची में नाम जुड़वा रहा है। फॉर्म में ये जानकारी देनी की बात पहली बार जोड़ी गई है।

माताओं-बहनों का सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

'विकास के साथ संस्कृति और आस्था का संरक्षण हमारी प्रतिबद्धता, प्रदेश के प्रमुख देवी शक्तिपीठों का किया जा रहा विकास'

महतारी वंदन योजना से लगभग 68 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता, प्रदेश की 14 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों और दुर्गा पूजा आयोजनों में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मां आदिशक्ति से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि नवरात्रि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना का महापर्व होने के साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का उत्सव भी है। गरबा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजन हमारी आस्था और परंपराओं को जीवंत रखते हुए समाज को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के सूत्र में जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने माना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति तथा सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा पूजा समिति द्वारा स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों के कल्याण और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति का आशीर्वाद मांगा।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय हुकुम ललित महल में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत युवा विंग द्वारा आयोजित 'रास गरबा विथ भजन डांडिया', रामबाग में आयोजित रास गरबा, पचपेड़ी नाका स्थित राम मंगलम लॉन में श्री दशा सोरठिया वाणिक समाज द्वारा आयोजित 'सोरठी रंग रंगीलो' नवरात्रि उत्सव तथा शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान में नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'संकल्प गरबा' में शामिल हुए। विभिन्न आयोजनों में समाजजनों और श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री साय का आत्मीय स्वागत किया।





मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर आज पूरे देश और छत्तीसगढ़ में भक्ति, आस्था और उल्लास का वातावरण है। गरबा मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति को अभिव्यक्त करने का सुंदर माध्यम है। गुजरात की सांस्कृतिक परंपरा से निकला गरबा आज पूरे देश में लोकप्रिय होकर हमारी सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में निहित एकता है। हमारे पर्व और उत्सव अलग-अलग समाजों, समुदायों और पीढ़ियों को एक साथ जोड़ते हैं तथा अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।

नवरात्रि मातृशक्ति के सम्मान और सामर्थ्य का पर्व

मुख्यमंत्री श्री साय ने गरबा आयोजनों में बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं, बहनों और बेटियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव शक्ति का स्वरूप माना गया है। नवरात्रि हमें मातृशक्ति के सम्मान, उनकी गरिमा और समाज निर्माण में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण कराती है।उन्होंने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, निर्णयों में भागीदारी निभाती हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं, तब परिवार के साथ पूरा समाज सशक्त होता है। इसलिए माताओं-बहनों की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक स्वावलंबन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

महतारी वंदन से महिलाओं को आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख माताओं-बहनों के बैंक खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता राशि सीधे अंतरित की जा रही है। इस आर्थिक संबल से महिलाएं अपनी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं के संबंध में स्वयं निर्णय लेने में सक्षम हो रही हैं। यह सहायता बच्चों की शिक्षा, परिवार की आवश्यकताओं और घरेलू जरूरतों की पूर्ति में भी उपयोगी सिद्ध हो रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाते हुए उन्हें स्वावलंबन और समृद्धि की दिशा में आगे ले जाना है। आज छत्तीसगढ़ की 14 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। यह उपलब्धि प्रदेश की मातृशक्ति की मेहनत, उद्यमशीलता और सामर्थ्य का प्रमाण है। राज्य सरकार स्व-सहायता समूहों, आजीविका गतिविधियों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के लिए आर्थिक प्रगति के नए अवसर तैयार कर रही है।

देवी आराधना छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की पावन धरती है। यह मां दंतेश्वरी, मां बम्लेश्वरी, मां महामाया और मां चंद्रहासिनी की पुण्यभूमि है। प्रदेश में आदिशक्ति की उपासना और देवी आराधना की गौरवशाली परंपरा सदियों से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान दंतेवाड़ा से डोंगरगढ़ और रतनपुर से चंद्रपुर तक प्रदेश के देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में श्रद्धा का अद्भुत वातावरण दिखाई देता है।

मणिपुर के जंगल में 2 लोगों की हत्या

मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

एजेंसी ➤ इंफाल

मणिपुर में सोमवार को जंगल से लकड़ी लेने गए दो लोगों की संदिग्ध उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया।

मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिल (35) और लैरेनलकपम इनाओबी (51) के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वे लकड़ी लेने गए समूह में शामिल थे। इसी दौरान संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला किया।गुस्साए स्थानीय लोग शवों को राज्य की राजधानी इम्फाल ले आए। उन्होंने



बाबूपारा स्थित मुख्यमंत्री आवास के मुख्य गेट के बाहर शव रख दिए।स्थानीय लोगों ने मई 2023 से राज्य में जारी हिंसा के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह आवास पर मौजूद थे या नहीं, यह तुरंत पता नहीं चल सका।

रिजिजू बोले- भारत न तो बांग्लादेश, न फ्रांस

इंडिया में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन सिर्फ चुनावों के जरिए

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को आरोप लगाया कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। कुछ नेताओं ने युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की।रिजिजू ने कहा कि ऐसी खतरनाक साजिश रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं।रिजिजू ने ङ्क पर पोस्ट के अलावा एक वीडियो भी शेयर किया। जिसमें राहुल गांधी और नेहा बोरा को दिखाया गया है। दरअसल 14 अक्टूबर पहले नेहा बोरा का बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रदर्शन के समर्थन वाला वीडियो



सामने आया था।

नेहा बोरा ने दो दिन पहले बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट (स्स्त्र) को उनके छठे सेंट्रल कॉन्फ्रेंस के लिए बधाई देते हुए एक वीडियो मैसेज भेजा था। इसमें उन्होंने कहा कि भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरित है।



दिल्ली में 200 टन गोबर से बनेगी गैस

नई दिल्ली। दिल्ली में डेयरियों से निकलने वाला गोबर अब गंदगी और प्रदूषण बढ़ाने के बजाय ऊर्जा बनाने के काम आएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेवा संकल्प अभियान के तहत गोयला डेयरी रोड पर 200 टन प्रतिदिन क्षमता वाले बायोगैस प्लांट का उद्घाटन किया है। इस संयंत्र का उद्देश्य गोबर के सही तरीके के साथ डीस्पोज करने के साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना है।डेयरी क्षेत्रों में गोबर का सही तरीके से डीस्पोजल नहीं होने से नालों में गंदगी पहुंचती है। इससे बदबू फैलने के साथ यमुना नदी के प्रदूषण की समस्या भी बढ़ती है। ऐसे में गोयला डेयरी का यह संयंत्र कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने की दिशा में अहम कदम है।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुँचेगी रेल, छत्तीसगढ़ के विकास में जुड़ेगा नया ऐतिहासिक अध्याय : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में 20 अक्टूबर को ताड़ोकी - रावघाट एवं अभनपुर - कुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का होगा उद्घाटन



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

/ छत्तीसगढ़ के रेल इतिहास में 20 अक्टूबर का दिन एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज होने जा रहा है। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुँचेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में ताड़ोकी - रावघाट रेल लाइन एवं अभनपुर - कुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर रावघाट - रायपुर एवं रायपुर - कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं का शुभारंभ तथा रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी होगा। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि रावघाट तक रेल पहुँचना केवल रेल नेटवर्क का विस्तार नहीं, बल्कि बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की नई संभावनाओं से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और आवागमन की सुविधाओं का विस्तार होगा तथा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। डबल इंजन सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों तक भी आधुनिक परिवहन सुविधाएँ पहुँचें और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो।

रावघाट तक रेल - बस्तर के विकास को नई रफ्तार: दल्लीराझरा से रावघाट के मध्य लगभग 1,628 करोड़ रुपए की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया गया है। ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण पूरा होने के साथ ही यह महत्वपूर्ण परियोजना पूर्ण हो गई है।रावघाट तक रेल संपर्क स्थापित होने से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के अवसरों तक पहुँच आसान होगी। इससे औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। रावघाट क्षेत्र के लौहरेल संपर्क महत्वपूर्ण होगा।

न्यूज इन शॉर्ट

बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में शामिल होंगी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

रायपुर, छत्तीसगढ का विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के अंतर्गत 23 अक्टूबर को जगदलपुर के ऐतिहासिक सिरहासार भवन में आयोजित होने वाले पारंपरिक मुरिया दरबार में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। राष्ट्रपति की उपस्थिति बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सदियों पुरानी परंपराओं और सामाजिक विरासत के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण अवसर होगी। मुरिया दरबार में राष्ट्रपति की सहभागिता से बस्तर की अनूठी सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक संवाद व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उल्लेखनीय है कि बस्तर का मांझी दल और बस्तर पंडुम के विजेता राष्ट्रपति से मुलाकात करने राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान मांझी दल के प्रतिनिधियों और बस्तर के युवाओं ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा एवं पारंपरिक मुरिया दरबार में शामिल होने का आत्मीय आमंत्रण दिया था। राष्ट्रपति ने न केवल इस आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया, बल्कि बस्तर से पहुंचे अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए अपने हाथों से उन्हें भोजन भी परोसा था।

इस आत्मीय मुलाकात के दौरान बस्तर के युवाओं ने राष्ट्रपति से कहा था कि जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ आपने राष्ट्रपति भवन में हमारा स्वागत किया है, उसी तरह हम भी नक्सलवाद खत्म होने के बाद नए बस्तर की ओर से अपनी संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप बस्तर में आपका स्वागत करेंगे। अब राष्ट्रपति का मुरिया दरबार में शामिल होना उस आत्मीय आमंत्रण के साकार होने का विशेष अवसर होगा। बस्तर की पारंपरिक संवाद व्यवस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है मुरिया दरबार विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि जनजातीय संस्कृति, सामाजिक एकता और लोक परंपराओं का अनूठा संगम है। इसी आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा मुरिया दरबार बस्तर की सदियों पुरानी पारंपरिक संवाद व्यवस्था का प्रतीक है। इसमें मांझी-चालकी और पारंपरिक प्रतिनिधियों की सहभागिता बस्तर की विशिष्ट सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था को अभिव्यक्त करती है। यह परंपरा जनजातीय समाज की सामूहिक भागीदारी, आपसी संवाद और सांस्कृतिक मूल्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखने का सशक्त माध्यम रही है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति से इस ऐतिहासिक परंपरा का गौरव और बढ़ेगा। यह अवसर बस्तर की सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय समाज की विशिष्ट पहचान और नई पीढ़ी के अपनी परंपराओं से जुड़ाव को नई प्रेरणा देगा।
राष्ट्रपति के स्वागत के लिए बस्तर में विशेष उत्साह

राष्ट्रपति के बस्तर आगमन और मुरिया दरबार में शामिल होने को लेकर जनजातीय समाज, मांझी-चालकी और बस्तर दशहरा से जुड़े पारंपरिक प्रतिनिधियों में विशेष उत्साह है। राष्ट्रपति भवन में बस्तर के युवाओं द्वारा दिया गया आत्मीय आमंत्रण अब साकार होने जा रहा है। यह अवसर बस्तर की सांस्कृतिक अस्मिता, गौरवशाली परंपराओं और बदलते बस्तर की नई पहचान को देश के सामने प्रस्तुत करेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल सहित प्रदेश के मंत्रीगण, बस्तर सांसद, जगदलपुर विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जगदलपुर महापौर, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, बस्तर दशहरा समिति के सम्मानित सदस्य, मांझी-चालकी तथा अन्य पारंपरिक पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

जिला रोजगार कार्यालय में 22 अक्टूबर को रोजगार मेला का आयोजन

बालोद, जिले के शिक्षित एवं तकनीकी रूप से दक्ष युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बालोद के तत्वावधान में 22 अक्टूबर को संयुक्त जिला कार्यालय स्थित रोजगार कार्यालय में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है।
04 नियोजकों द्वारा 215 पदों पर की जाएगी भर्ती
जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बालोद के उप संचालक ने बताया कि इस रोजगार मेला में 04 निजी नियोजकों द्वारा कुल 215 तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती की जाएगी।

राष्ट्रीय एकता और नशामुक्त भारत का संदेश लेकर कबीरधाम पहुंची राष्ट्रीय बाइक रैली का भव्य स्वागत

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने राष्ट्रीय बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश के लिए किया रवाना

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राष्ट्रीय एकता और नशामुक्त भारत का संदेश लेकर कबीरधाम पहुंची राष्ट्रीय बाइक रैली का भव्य स्वागत

राष्ट्रीय एकता दिवस-2026 के अवसर पर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'नशामुक्त भारत, सशक्त भारत' का संदेश लेकर निकली राष्ट्रीय बाइक रैली का कबीरधाम जिले में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तत्वावधान में 'फाइट अगेंस्ट ड्रग्स' थीम पर आयोजित इस रैली के अभिनंदन एवं फ्लैग ऑफ समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा शामिल हुए। उन्होंने पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, कवर्धा में आयोजित समारोह में ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस के बाइक राइडर्स का सम्मान किया तथा रैली को हरी झंडी दिखाकर मध्यप्रदेश के लिए रवाना किया।

सरदार पटेल के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवा-उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने समारोह को संबोधित करते



हुए कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनका योगदान देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय चेतना को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह बाइक रैली केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक की यात्रा नहीं, बल्कि देशवासियों को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में जोड़ने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अभियान है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय सेवाएं, जीएसटी, आधार, वन नेशन-वन राशन कार्ड और राष्ट्रीय पावर ग्रिड जैसी व्यवस्थाएं देश के विभिन्न हिस्सों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य कर रही हैं। लोकतंत्र में विचारों और राजनीतिक दलों के बीच मतभिन्नता हो सकती है, लेकिन देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सभी की प्रतिबद्धता सर्वोपरि है। उन्होंने युवाओं से सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। देश की सुरक्षा में बलिदान देने वाले वीर जवानों को किया नमन' उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बस्तर में नक्सलवाद के कारण उत्पन्न कठिन परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों, पुलिस, प्रशासन और विभिन्न एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से क्षेत्र में शांति एवं विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल हुई हैं।

जल संरक्षण से बदलेगी दर्री की तस्वीर, 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल सहेजने की अनूठी पहल

रायपुर,जल ही जीवन है और जल संरक्षण ही सुरक्षित भविष्य का आधार है। इसी भावना को साकार करते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में वर्षा जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के मरवाही विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में लगभग 3 हजार स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण कर 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल संग्रहण की क्षमता विकसित की गई है। यह पहल न केवल वर्षा जल को संरक्षित कर भूजल स्तर बढ़ाने में सहायक बनेगी, बल्कि गर्मी के दिनों में पानी की समस्या से जूझने वाले लगभग 250 ग्रामीण परिवारों के लिए भी भविष्य में राहत की नई उम्मीद लेकर आई है। पहाड़ियों से बहने वाला पानी अब बनेगा जल संरक्षण का आधार पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में वर्षा के दौरान बड़ी मात्रा में पानी बहकर निकल जाता है। इससे एक ओर वर्षा जल का समुचित उपयोग नहीं हो पाता, वहीं दूसरी ओर मिट्टी का कटाव और भूजल स्तर में गिरावट जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में वैज्ञानिक पद्धति से स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया गया है। पहाड़ी ढलानों पर सीढ़ीनुमा क्रम में बनाई गई ये ट्रेंच वर्षा के पानी के बहाव को धीमा करने और उसे एकत्रित करने का कार्य करेंगी। ट्रेंच में संग्रहित पानी धीरे-धीरे जमीन में समाहित होगा, जिससे भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। इस व्यवस्था से वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के साथ प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण में भी मदद मिलने की उम्मीद है। 24 लाख 30 हजार लीटर जल संग्रहण क्षमता से मजबूत होगी जल सुरक्षा डोंगरी टोला में निर्मित लगभग 3 हजार कंटूर ट्रेंच की कुल जल संग्रहण क्षमता 24 लाख 30 हजार लीटर है। यह क्षमता क्षेत्र में वर्षा जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्षा के दौरान इन संरचनाओं में पानी एकत्रित होने से आसपास की भूमि में नमी बनाए रखने, मिट्टी के कटाव को कम करने तथा भूजल पुनर्भरण में सहायता मिलेगी।



सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल हुआ शून्य, अतिरिक्त बिजली ग्रिड में हो रही जमा

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से सुकमा के आपु हालदार को मिली 1.08 लाख रुपये की सब्सिडी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से सुकमा जिले के कुम्हारास निवासी श्री आपु हालदार को बिजली खर्च में बड़ी राहत मिली है। घर पर सोलर पैनल लगवाने के बाद उनका बिजली बिल शून्य तक पहुंच गया है। वहीं, जरूरत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में जाने से उनके बिजली खाते में क्रेडिट भी जमा हो रहा है।

नगर पालिका सुकमा के वार्ड क्रमांक 15 निवासी श्री आपु हालदार ने जुलाई 2026 में योजना के तहत अपने घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगवाया था। उन्होंने बताया कि पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 300 से 500 रुपये आता था। अब घर की बिजली जरूरत सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है और पिछले कुछ महीनों में उनका बिजली बिल शून्य भी रहा है।

श्री हालदार को सोलर पैनल स्थापना के लिए कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी मिली है। इसमें केंद्र शासन से 78 हजार रुपये और राज्य शासन से 30 हजार रुपये की सहायता



शामिल है। इस आर्थिक सहायता से उनके लिए सोलर पैनल लगवाना आसान हुआ। उनके घर पर सोलर पैनल का कनेक्शन कुंवर एंड कंपनी एक्शन एनर्जी द्वारा स्थापित किया गया है। श्री हालदार ने बताया कि सौर ऊर्जा अपनाने से परिवार के मासिक खर्च में बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना आम परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के साथ बिजली खर्च कम करने का अवसर प्रदान कर रही है।

भलपहरी और अचानकपुर में ग्रामीणों के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, दी 48 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

भलपहरी और अचानकपुर में ग्रामीणों के बीच पहुंचे उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, दी 48 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने नवरात्रि के पावन पर्व पर कबीरधाम जिले के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर माता दुर्गा की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान उन्होंने ग्राम भलपहरी और अचानकपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर उनसे सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं मांगों को आत्मीयता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम भलपहरी में अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन और शासकीय प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्राम भलपहरी और अचानकपुर में कुल 48 लाख 30 हजार रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की। इसमें ग्राम भलपहरी में हाई स्कूल रोड पर सीसी रोड निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए, प्राथमिक शाला में किचन शेड निर्माण के लिए 4 लाख रुपए तथा अकालगरिहा पारा में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 6 लाख 50 हजार रुपए की घोषणा की गई। इसी प्रकार ग्राम अचानकपुर में मंच निर्माण के लिए 8 लाख रुपए, सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपए, सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख 20 हजार रुपए, मुख्य मार्ग से पंचराम के घर की ओर सीसी रोड निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार रुपए, मैदान समतलीकरण के लिए 2 लाख रुपए तथा गोठान समतलीकरण के लिए 2 लाख रुपए की घोषणा की गई।





अटल डिजिटल सेवा केंद्र से गांव में ही मिलेंगी बैंकिंग सुविधाएं

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम भलपहरी में 5 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल डिजिटल सेवा केंद्र भवन का लोकार्पण किया। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को गांव में ही बैंकिंग एवं डिजिटल सेवाओं की सुविधा मिलेगी। ग्रामीण महतारी वंदन योजना, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि निकाल सकेंगे। साथ ही राशि जमा करने जैसी बैंकिंग सुविधाओं का भी लाभ ले सकेंगे। इससे ग्रामीणों को छोटे-छोटे बैंकिंग कार्यों के लिए शहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी और उनके समय तथा आवागमन के खर्च की बचत होगी।

गांवों के विकास और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांवों के विकास और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बैगा बाहुल्य क्षेत्रों में सड़क, बिजली, आवास और अन्य जरूरी सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। दूरस्थ गांवों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाकर लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी पर हुई कार्रवाई

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बैगा आदिवासियों के आवास की राशि में गड़बड़ी के मामले का उल्लेख करते हुए बताया कि इस मामले में कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और शासकीय राशि का सही उपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जनमन योजना की जानकारी देते हुए कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय की बसाहटों तक सड़क सहित आवश्यक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।

कोलम्बिया यूनिवर्सिटी का शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण सम्पन्न

भटगांव के प्रज्ञा इंस्टिट्यूट एवं प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन के बच्चों ने नर्सिंग नाथ व साइंस पार्क का किया शैक्षणिक भ्रमण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

भटगांव, जिले व ब्लॉक् के प्रतिष्ठित संस्थान प्रज्ञा इंस्टिट्यूट एवं प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन भटगांव के बच्चों को डायरेक्टर के. पी. पटेल ने नर्सिंग नाथ,साइंस पार्क रायपुर एवं कोलम्बिया यूनिवर्सिटी का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया जहाँ इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बच्चों ने सबसे पहले नर्सिंग नाथ धाम के दर्शन किए। यहां बच्चों ने मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता के बारे में जाना और दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद बच्चों को रायपुर साइंस पार्क ले जाया गया। साइंस पार्क में बच्चों ने विज्ञान के विभिन्न मॉडलों, सौरमंडल, डीएनए स्ट्रक्चर और आधुनिक तकनीकों को नजदीक से देखा और समझा। बच्चों ने प्लेनेटेरियम और वैज्ञानिक प्रयोगों का भी आनंद लिया।

प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन के बच्चों का कोलम्बिया यूनिवर्सिटी मे प्रशिक्षण सम्पन्न -

प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन के विद्यार्थियों के लिए कोलंबिया यूनिवर्सिटी रायपुर में एक विशेष प्रशिक्षण और शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था । प्रशिक्षण



के दौरान बच्चों ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के विभिन्न विभागों का विजिट किया। बच्चों को कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी, तकनीकी विभाग और मैनेजमेंट विभाग के बारे में विस्तार से जानकारी ली और उनके कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का मौका मिला।

इसके बाद यूनिवर्सिटी सभागार में बच्चों और शिक्षकों के बीच विभिन्न विषयों पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में करियर निर्माण, उच्च शिक्षा, नई तकनीकों और भविष्य के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान कोलंबिया यूनिवर्सिटी रायपुर के कुलसचिव, रजिस्ट्रार, एमडी, प्राध्यापक और स्टाफ के साथ विभिन्न शैक्षणिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।



यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

इस पूरे प्रशिक्षण को लेकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। बच्चों ने इसे अपने करियर के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। वहीं डायरेक्टर के. पी. पटेल ने बताया कि इस तरह के भ्रमण से बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ती है और किताबों से बाहर निकल कर प्रैक्टिकल ज्ञान मिलता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक भ्रमण बेहद जरूरी है. बच्चों में इस दौरे को लेकर काफी उत्साह देखा गया।

न्यूज इन शॉर्ट

बस्तर दशहरा - सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल होंगी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

रायपुर, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सिरहासार भवन में 23 अक्टूबर को मुरिया दरबार में शामिल होंगी। उनकी उपस्थिति बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक विरासत के लिए विशेष अवसर होगी। बस्तर दशहरा के महत्वपूर्ण मुरिया दरबार बस्तर की सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक संवाद व्यवस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है, राष्ट्रपति के इसमें शामिल होने से बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर और पहचान मिलेगी। इस कार्यक्रम के अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल सहित प्रदेश के अन्य मंत्रीगण, बस्तर सांसद, विधायक जगदलपुर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जगदलपुर महापौर और वरिष्ठ अधिकारी, बस्तर दशहरा समिति के सम्मानित सदस्य, मांझी-चालाकी, अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

`गन्ना के समर्थन मूल्य में वृद्धि से मनोहर लाल सिन्हा के जीवन में आई मिठास

बालोद, शासन द्वारा कृषि और कृषकों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे ऐतिहासिक निर्णयों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। गन्ने के समर्थन मूल्य में की गई वृद्धि ने जिले के गन्ना उत्पादक किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर उनके चेहरों पर विश्वास की चमक ला दी है।



जिले के ग्राम सोहतरा के कृषक श्री मनोहर लाल सिन्हा की सफलता की दास्तान बताती है कि शासन की संवेदनशील नीतियों ने किस प्रकार अन्नदाताओं की मेहनत का वाजिब सम्मान लौटाया है।

शक्कर कारखाने की स्थापना से ही लगातार कर रहे हैं गन्ने की खेती, दूसरे किसानों को कर रहे प्रेरित

ग्राम सोहतरा के श्री मनोहर लाल सिन्हा ने बताया कि जब से क्षेत्र में शक्कर कारखाना स्थापित हुआ है, तब से वे लगातार गन्ने की खेती करते आ रहे हैं। उन्होंने कभी गन्ने की खेती से नाता नहीं तोड़ा और उनका हमेशा से यह दृढ़ संकल्प रहा है कि वे गन्ने की फसल ही लेंगे। वे अपने साथी कृषकों को भी सदैव प्रेरित करते हैं कि 'गन्ना खेती में सचमुच दम है'।

धान की तुलना में कम मेहनत और सुरक्षित फसल

गन्ने की खेती के फायदे गिनाते हुए श्री सिन्हा ने बताया कि एक बार बुआई करने के बाद इसमें 03 से 04 महीने ही मुख्य रूप से मेहनत करनी पड़ती है, इसके बाद अगले 06 महीने तक फसल को बहुत अधिक देखरेख की आवश्यकता नहीं होती। कटाई के समय सीधे खेत से गन्ना कारखाने पहुंच जाता है और किसानों के खाते में समय पर भुगतान आ जाता है। उन्होंने धान की खेती से तुलना करते हुए बताया कि धान में माहू, कटवा, उकसा जैसी तमाम बीमारियों और कीटों का लगातार खतरा बना रहता है, जहां एक चूक से पूरी फसल बर्बाद हो सकती है। वहीं दूसरी ओर गन्ने की फसल प्राकृतिक रूप से अधिक मजबूत होती है और विपरीत परिस्थितियों को भी आसानी से सहन कर लेती है, जिससे नुकसान का जोखिम न के बराबर रहता है।

बढ़े हुए मूल्य से घाटे की आशंका खत्म

श्री मनोहर लाल सिन्हा ने बताया कि संवेदनशील राज्य सरकार द्वारा गन्ने के मूल्य में की गई संतोषजनक वृद्धि से किसानों को बहुत बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि जो खेती पहले घाटे की ओर जाती दिख रही थी, अब दर बढ़ने से किसानों की जेब में सीधा मुनाफा आ रहा है। आने वाले दीपावली त्यौहार को वे अपने परिवार और बच्चों के साथ बेहद उल्लास और प्रसन्नतापूर्वक मनाएंगे।

कृषक श्री मनोहर लाल सिन्हा ने किसानों की पीड़ा और कठिन समय को समझते हुए गन्ना मूल्य वृद्धि का त्वरित निर्णय लेने पर प्रदेश सरकार का स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हार्दिक आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किसानों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी कर अन्नदाताओं का भरोसा और आत्मसम्मान बढ़ाया है।

जिले में 30 अक्टूबर को सजेगा युवा प्रतिभाओं का मंच, जिला स्तरीय युवा उत्सव का होगा आयोजन

कला, संस्कृति और रचनात्मकता का संगम बनेगा युवा उत्सव, जिले के युवा दिखाएंगे अपना हुनर

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

जिले के युवाओं के लिए जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 का आयोजन 30 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से अंबेडकर भवन, झगराखांड में किया जाएगा। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस उत्सव का उद्देश्य युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक अवसर प्रदान करना, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी कला एवं कौशल का प्रदर्शन करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ राज्य स्तरीय युवा उत्सव में जिले के प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

एमसीबी जिला खेल अधिकारी कार्यालय द्वारा 19 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति क्रमांक 192 के अनुसार, युवा उत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाता है। इसके अंतर्गत विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी, जिनमें जिले के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे।

विभिन्न विधाओं में युवा दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 में युवाओं के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक विधाओं को शामिल किया गया है। इनमें विकसित भारत चौलेंज ट्रैक में 3 प्रतिभागी, लोक गायन (एकल) में 7 प्रतिभागी एवं 3 संगतकार सहित कुल 10 प्रतिभागी, लोक नृत्य (दलीय) में 7 प्रतिभागी एवं 3 संगतकार सहित कुल 10 प्रतिभागी, चित्रकला (एकल) में 1 प्रतिभागी, कविता लेखन (एकल) में 1 प्रतिभागी, नुक्कड़ नाटक (दलीय) में 10 प्रतिभागी, क्रिएटिव यूथ चौलेंज में 1 प्रतिभागी, पारंपरिक वेशभूषा में 1 प्रतिभागी तथा रॉक बैंड में 10 प्रतिभागियों के लिए अवसर निर्धारित किए गए हैं।

सभी विधाओं में 15 से 29 वर्ष तक के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं, जबकि संगतकारों के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। यह आयु सीमा 17 अगस्त 2026 की स्थिति में मान्य होगी। हालांकि, रॉक बैंड विधा का आयोजन केवल राज्य स्तर पर किया जाएगा।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों के पंजीयन की प्रक्रिया 15 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। जिला खेल अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, जिला स्तरीय युवा उत्सव के विजेता प्रतिभागी एवं दल राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेंगे। इसके लिए सभी विधाओं के प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए गूगल शीट का लिंक जारी किया गया है। इसके लिए प्रतिभागियों को गूगल शीट के लिंक अथवा प्रेस विज्ञप्ति में दिए गए क्यूआर कोड को गूगल लेंस से स्कैन करके पंजीयन करना होगा। इस लिंक और क्यूआर कोड के माध्यम से युवा उत्सव में भागीदारी के लिए पंजीयन किया जा सकता है। सभी प्रतिभागियों के लिए डल ठींतंज पोर्टल पर पंजीयन करना अनिवार्य किया गया है।

विकसित भारत चैलेंज ट्रैक में 500 शब्दों में प्रस्तुत करना होगा विषय

विकसित भारत चैलेंज ट्रैक के अंतर्गत प्रतिभागियों को जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधन एवं समावेशी विकास विषय पर 500 शब्दों का आलेख तैयार कर डल ठींतंज पोर्टल पर प्रस्तुत करना होगा। प्रस्तुत विषयों का मूल्यांकन जिले द्वारा नियुक्त विषय विशेषज्ञों के माध्यम से निर्धारित स्तर पर किया जाएगा।

इस विधा के माध्यम से युवाओं को जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधनों के महत्व तथा समावेशी विकास से जुड़े विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

एक प्रतिभागी केवल एक विधा में ले सकेगा भाग

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, एक प्रतिभागी किसी भी स्तर की प्रतियोगिता में केवल एक ही विधा में भाग ले सकेगा। कोई भी प्रतिभागी एक से अधिक विधाओं में शामिल नहीं हो सकता। रॉक बैंड विधा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को केवल राज्य स्तर पर अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा।जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिह्न एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधाओं में चयनित प्रतिभागी अथवा दल राष्ट्रीय युवा उत्सव में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में किया जाना निर्धारित है। इसमें विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन एवं नुक्कड़ नाटक जैसी विधाओं में चयनित प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

, क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

नवमी पर विधायक रेणुका सिंह ने चैनपुर और खोंगापानी में किए मां दुर्गा के दर्शन

महेंद्र शुक्ला ➤ मनेन्द्रगढ़/एमसीबी

भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने नवरात्रि के पावन अवसर पर अपने विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने चैनपुर और खोंगापानी में आयोजित दुर्गा पूजा कार्यक्रमों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की जनता की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की।

नवमी के दिन धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखने को मिला। विधायक रेणुका सिंह ने क्षेत्रवासियों के साथ मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उन्होंने धार्मिक आयोजन में शामिल होकर लोगों के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।



चैनपुर दुर्गा पूजा सेवा समिति के सदस्यों की रही उपस्थिति

चैनपुर में आयोजित दुर्गा पूजा कार्यक्रम के दौरान दुर्गा पूजा सेवा समिति के सदस्य आयुष दास, मुकेश शर्मा, रोहित, संतोष, राकेश शर्मा, मनोज केशरवानी, रवि उपाध्याय, अजीत, अंकित पाण्डेय, संजय, अमित, रमेश, देवरिशी, हेमंत, आयुष सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मां दुर्गा की आराधना के साथ क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की गई।

चिरमिरी में दो स्थानों पर होगा रावण दहन, 20 और 21 अक्टूबर को सजेगा दशहरा उत्सव

डोमनहिल में 20 अक्टूबर और छोटा बाजार गांधी मैदान में 21 अक्टूबर को होगा आयोजन, स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल होंगे मुख्य अतिथि



एक सत बुलेटिन ➤ चिरमिरी, एमसीबी

विजयादशमी पर्व के अवसर पर चिरमिरी में दशहरा उत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शहर के डोमनहिल और छोटा बाजार गांधी मैदान में दो अलग-अलग स्थानों पर रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दोनों ही आयोजनों में क्षेत्रीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। रावण दहन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और धार्मिक आयोजनों से शहर में उत्सवी माहौल देखने को मिलेगा।

डोमनहिल में डोमनहिल रावण दहन समिति की ओर से 20 अक्टूबर को रात 8 बजे रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष डमरू बेहरा और सचिव बबलू शर्मा के नेतृत्व में आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहने की उम्मीद है।

वहीं, छोटा बाजार स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम में श्री श्री दुर्गा पूजा एवं विजयादशमी समारोह समिति की ओर से 21 अक्टूबर, बुधवार को रावण दहन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की रूपरेखा के अनुसार शाम 7 बजे भव्य आतिशबाजी, शाम 7:30 बजे संगीत संध्या एवं जागरण और रात 8 बजे रावण दहन कार्यक्रम होगा। इसके साथ ही समिति की ओर से दुर्गा पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य धार्मिक आयोजनों की भी व्यवस्था की गई है। डांडिया प्रतियोगिता का आयोजन 18 अक्टूबर को किया गया है।

दोनों आयोजनों को लेकर शहरवासियों में उत्साह है। दशहरा पर्व के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों ने नागरिकों से कार्यक्रमों में शामिल होकर उत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर कोरबा में नवीन सर्किट हाउस निर्माण को मिली मंजूरी

एक सत बुलेटिन ➤ कोरबा,

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा कोरबा प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय में नवीन सर्किट हाउस निर्माण की घोषणा की गई थी। राज्य शासन ने घोषणा के अनुरूप भवन निर्माण के लिए 311.29 लाख रुपये (3 करोड़ 11 लाख 29 हजार रुपये) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। नवीन सर्किट हाउस के निर्माण के लिए रामपुर आईटीआई, डिंगापुर के पास स्थल चिह्नित कर आरक्षित किया गया है। लोकनिर्माण विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव के प्रयास से राशि स्वीकृति हुई।

कार्यपालन अभियंता श्री जी आर जांगड़े ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा इस स्थल पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त सर्किट हाउस का निर्माण कराया जाएगा। भवन में वीआईपी सूट के साथ अतिथियों के लिए अलग-अलग कक्षों की व्यवस्था रहेगी। भवन की रूपरेखा में भविष्य की आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा गया है।



प्रस्तावित भवन में ड्राइंग रूम, प्रतीक्षालय, रसोईघर, भोजन कक्ष सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। परिसर में वीआईपी और सामान्य वाहनों के लिए पृथक पार्किंग, उद्यान एवं हरित क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। वाहनों के सुगम आवागमन के लिए अलग प्रवेश और निकास द्वार भी प्रस्तावित हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे श्री जगराम मीना मुख्य लॉ अधिकारी, रायपुर उपस्थित थे

रायपुर मंडल ने किया सांस्कृतिक प्रतियोगिता ' गंग - तरंग 2.0 ' का आयोजन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा रेलवे कर्मचारी एवं उनके आश्रितों की सांस्कृतिक प्रतिभाओं को निखारने के उद्देष्य से अंतरा मंडल सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'गंग - तरंग 2.0' के अंर्तगत शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, फिल्मी नृत्य, लोक गायन, सुगम गायन, फिल्मी गायन प्रतियोगिता का आयोजन रेलवे इंस्टिट्यूट खारून रेल विहार, रेलवे कॉलोनी रायपुर तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सामूदायिक भवन डबल्यु आर.एस. कॉलोनी रायपुर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे श्री जगराम मीना मुख्य लॉ अधिकारी, रायपुर उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ माँ सरस्वती



की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन मे मुख्य अतिथि महोदय ने सभी रेल कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने हेतु प्रेरित कर सभी प्रतियोगियों को अपनी शुभकामनांए दी। विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताओं मे कुल 85 कलाकारों ने अपनी भागीदारी दी। जहाँ एक ओर शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, फिल्मी नृत्य, के कलाकारों ने अपनी प्रतिभाओं से सभी को अतयंत मोहित किया तथा वही दूसरी ओर लोक गायन, सुगम गायन, फिल्मी गायन की प्रतियोगिता मे कलाकारो की गायिकी ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को और अधिक रोचक बना दिया तथा चित्रकला प्रतियोगिता मे कलाकारों ने अपने मन के भाव को कागज़ पर बहुत ही खूबसूरती से उकेरा।

समापन समारोह मे उक्त प्रतियोगिता मे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया साथ ही सभी प्रतियोगियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उपरोक्त प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं मार्गदर्शन में श्री राहुल गर्ग, वरि.मंडल कार्मिक अधिकारी , रायपुर की महत्तवपूर्ण भूमिका रही। गायन प्रतियोगिता हेतु छत्तीसगढ़ की प्रख्यात कलाकार श्रीमती शुभ्रा ठाकुर, श्री देवेन्द मानिकपुरी एवं नृत्य प्रतियोगिता मे श्री हरीष बट्टी , श्री कमलेष कुमार तथा चित्रकला प्रतियोगिता हेतु श्री जितेन्द्र साहू निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रीति राजवैद्य तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री निसार अहमद फरीदी ने किया।

न्यूज इन शॉर्ट

रायपुर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की तैयारियां तेज; महादेवघाट में व्यवस्था को लेकर निगम अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दुर्गा माता की प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर नगर निगम प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। महादेवघाट स्थित खारून नदी के पास पाटन पुलिया के समीप बनाए गए विसर्जन कुंड में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन क्रमांक 8 की जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ने विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सभी तैयारियां प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरी करने के निर्देश दिए।रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए महादेवघाट स्थित विसर्जन कुंड स्थल पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान विसर्जन कुंड की साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, क्रेन और टेंट जैसी आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के आदेशानुसार जोन 8 की जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विसर्जन कुंड की वर्तमान स्थिति और वहां चल रही तैयारियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए, ताकि प्रतिमा विसर्जन के दौरान व्यवस्थाएं सुचारू बनी रहें।दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को ध्यान में रखते हुए विसर्जन कुंड की साफ-सफाई नगर निगम की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अधिकारियों को कुंड स्थल पर सफाई से संबंधित कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिमा विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पूजा समितियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए स्थल पर आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नगर निगम प्रशासन का प्रयास है कि विसर्जन स्थल पर पहुंचने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाओं को लेकर परेशानी का सामना न करना पड़े।महादेवघाट विसर्जन कुंड स्थल पर क्रेन की व्यवस्था भी प्रशासनिक तैयारियों में शामिल है। बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान क्रेन की मदद से कार्य को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जा सकता है। इसके अलावा प्रकाश व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शाम और रात के समय विसर्जन गतिविधियों के मद्देनजर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था आवश्यक है। जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को क्रेन और प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं, धर्मग्रंथों और ऋषियों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हेमंत कुमार बेदी के रूप में हुई है। उसके खिलाफ विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष करनैल सिंह ने कुनकुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि फेसबुक पर की गई पोस्ट से हिंदू धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी जब्त किया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर 2026 को विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष करनैल सिंह ने कुनकुरी थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने बताया कि 15 अक्टूबर को उन्होंने फेसबुक पर हेमंत बेदी नामक व्यक्ति के अकाउंट से एक पोस्ट देखी थी। आरोप है कि इस पोस्ट में हिंदू धर्मग्रंथों, देवी-देवताओं और ऋषियों को लेकर आपत्तिजनक तथा अशोभनीय टिप्पणियां की गई थीं। करनैल सिंह ने शिकायत में कहा कि इस तरह की सामग्री से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और लोगों में नाराजगी है। उन्होंने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष की शिकायत पर कुनकुरी थाना पुलिस ने आरोपी हेमंत कुमार बेदी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया। पुलिस के अनुसार, मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 199 और 299 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है।

जल संरक्षण से बदलेगी दर्री की तस्वीर, 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल सहेजने की अनूठी पहल

मरवाही के डोंगरी टोला में निर्मित 3 हजार कंटूर ट्रेंच बनेंगे जल संरक्षण का मजबूत आधार, 250 परिवारों को मिलेगी राहत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

जल ही जीवन है और जल संरक्षण ही सुरक्षित भविष्य का आधार है। इसी भावना को साकार करते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में वर्षा जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के मरवाही विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में लगभग 3 हजार स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण कर 24 लाख 30 हजार लीटर वर्षा जल संग्रहण की क्षमता विकसित की गई है। यह पहल न केवल वर्षा जल को संरक्षित कर भूजल स्तर बढ़ाने में सहायक बनेगी, बल्कि गर्मी के दिनों में पानी की समस्या से जूझने वाले लगभग 250 ग्रामीण परिवारों के लिए भी भविष्य में राहत की नई उम्मीद लेकर आई है।

पहाड़ियों से बहने वाला पानी अब बनेगा जल संरक्षण का आधार

पहाड़ी एवं ढलान वाले क्षेत्रों में वर्षा के दौरान बड़ी मात्रा में पानी बहकर निकल जाता है। इससे एक ओर वर्षा जल का समुचित उपयोग नहीं हो पाता, वहीं दूसरी ओर मिट्टी का कटाव और भूजल स्तर में गिरावट जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत दर्री के डोंगरी टोला में वैज्ञानिक पद्धति से स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया गया है।



पहाड़ी ढलानों पर सीढ़ीनुमा क्रम में बनाई गई ये ट्रेंच वर्षा के पानी के बहाव को धीमा करने और उसे एकत्रित करने का कार्य करेंगी। ट्रेंच में संग्रहित पानी धीरे-धीरे जमीन में समाहित होगा, जिससे भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। इस व्यवस्था से वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के साथ प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

24 लाख 30 हजार लीटर जल संग्रहण क्षमता से मजबूत होगी जल सुरक्षा

डोंगरी टोला में निर्मित लगभग 3 हजार कंटूर ट्रेंच की कुल जल संग्रहण क्षमता 24 लाख 30 हजार लीटर है। यह क्षमता क्षेत्र में वर्षा जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्षा के दौरान इन संरचनाओं में पानी एकत्रित होने से आसपास की भूमि में नमी बनाए रखने, मिट्टी के कटाव को कम करने तथा भूजल पुनर्भरण में सहायता मिलेगी।विशेष रूप से गर्मी के मौसम में जल संकट का सामना करने वाले लगभग 250 परिवारों के लिए यह पहल दीर्घकालीन जल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। भूजल स्तर में सुधार होने से आसपास के कुओं और अन्य पारंपरिक जलस्रोतों को भी लाभ मिलने की संभावना है।इस पहल की विशेषता यह है कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण के साथ स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित किए गए हैं। कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य में प्रतिदिन लगभग 150 से 160 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

घर से मिली 75 पेटी अंग्रेजी शराब, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

एक सत बुलेटिन ➤ बस्तर

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कोड़ेनार थाना क्षेत्र के मावलीभाटा गांव में पुलिस ने एक व्यक्ति के घर छापेमारी कर 75 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की है। बरामद शराब मध्यप्रदेश में निर्मित बताई जा रही है, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 6 हजार 250 रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने दशहरा मेला-मड़ई में शराब बेचने के उद्देश्य से इसे अपने घर के एक कमरे में छिपाकर रखा था।

दशहरा मेले में शराब बेचने की थी तैयारी

मिली जानकारी के अनुसार, कोड़ेनार पुलिस को 17 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मावलीभाटा के जहाजभाटा पारा में रहने वाला दुलगो कवासी अपने घर में बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर रखा हुआ है। सूचना में बताया गया था कि आरोपी मध्यप्रदेश से निर्मित शराब को आगामी दशहरा मेला-मड़ई में बेचने की तैयारी कर रहा है। पुलिस ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच और कार्रवाई की योजना बनाई। इसके बाद पुलिस की एक टीम आरोपी के घर पहुंची और संदिग्ध स्थान की तलाशी लेने की प्रक्रिया शुरू की।

बंद कमरे का ताला खुलवाया तो मिली शराब की पेटियां

पुलिस टीम जब आरोपी के घर पहुंची, तो वहां एक कमरा बंद मिला। कमरे में ताला लगा हुआ था। पुलिस ने कमरे को खुलवाया और अंदर रखे सामान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिसकर्मियों को बड़ी संख्या में शराब की पेटियां मिलीं। जांच करने पर सभी पेटियों में गोवा व्हिस्की ब्रांड की अंग्रेजी शराब रखी हुई पाई गई। पुलिस ने कमरे में मौजूद शराब की पेटियों की गिनती की। इस दौरान कुल 75 पेटी शराब बरामद हुई। इतनी बड़ी मात्रा में शराब मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी से इसके संबंध में पूछताछ की।



3,750 बोतल शराब जब्त, कीमत पांच लाख से अधिक

पुलिस के अनुसार, बरामद 75 पेटियों में अंग्रेजी शराब की कुल 3,750 बोतलें रखी हुई थीं। शराब की कुल मात्रा 675 लीटर बताई गई है। जब्त शराब की अनुमानित बाजार कीमत 5 लाख 6 हजार 250 रुपए है। सभी बोतलों पर मध्यप्रदेश में निर्मित होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने शराब को अपने कब्जे में लेकर जब्ती की कार्रवाई पूरी की। इतनी बड़ी मात्रा में शराब की बरामदगी को अवैध शराब कारोबार के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है।पुलिस ने आरोपी दुलगो कवासी से शराब रखने,वह कोई अनुमति या आवश्यक कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका।

राशन दुकान में 3.22 लाख का खाद्यान्न कम, महिला समूह और विक्रेता पर एफआईआर

लाखों रुपए के खाद्यान्न की कमी मिलने का मामला सामने आया

एक सत बुलेटिन ➤ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकान में लाखों रुपए के खाद्यान्न की कमी मिलने का मामला सामने आया है। कोतरा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम पचेड़ा स्थित राशन दुकान में खाद्य विभाग की जांच के दौरान 3 लाख 22 हजार 193 रुपए मूल्य का खाद्यान्न कम पाया गया। ई-पॉस मशीन में दर्ज स्टॉक और दुकान में वास्तविक रूप से उपलब्ध चावल, शक्कर और नमक की मात्रा में बड़ा अंतर मिलने के बाद खाद्य निरीक्षक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जय मां दुर्गा महिला समूह की अध्यक्ष, सचिव, सदस्यों और दुकान के विक्रेता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है।

राशन दुकान में खाद्य विभाग ने की जांच

मिली जानकारी के अनुसार, खाद्य निरीक्षक ने 21 तारीख को ग्राम पचेड़ा स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया था। इस दौरान दुकान में मौजूद खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन किया गया। जांच के दौरान खाद्य निरीक्षक ने दुकान में रखे चावल, शक्कर और नमक की मात्रा का मिलान ई-पॉस मशीन में दर्ज स्टॉक से किया। मिलान करने पर दोनों आंकड़ों में बड़ा अंतर सामने आया। दुकान में जितना खाद्यान्न उपलब्ध होना चाहिए था, उसके मुकाबले वास्तविक स्टॉक काफी कम मिला।

72 क्विंटल से अधिक चावल मिला कम

खाद्य विभाग की जांच में सामने आया कि राशन दुकान में भौतिक रूप से 48 क्विंटल चावल, 1.50 क्विंटल शक्कर और 4.50 क्विंटल नमक उपलब्ध था। जबकि ई-पॉस मशीन के रिकॉर्ड के अनुसार, दुकान में 120.03 क्विंटल चावल, 5.44 क्विंटल शक्कर और 5.99 क्विंटल नमक होना चाहिए था। दोनों आंकड़ों का मिलान करने पर 72.03 क्विंटल चावल, 3.94 क्विंटल शक्कर और 1.49 क्विंटल नमक की कमी पाई गई।

जंगल में नक्सलियों का खतरनाक डंप बरामद, जवानों को बड़ी सफलता

एक सत बुलेटिन ➤ बस्तर

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगलों में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों ने नक्सलियों द्वारा जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया है। इस नक्सल डंप से टिफिन आईईडी, यूबीजीएल राउंड, कोडेक्स वायर सहित कई अन्य सामान मिले हैं। संभावित खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्ते ने विस्फोटक सामग्री को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया।

जंगलों में चलाया गया विशेष सर्च ऑपरेशन

जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त घोषित किए जाने के बाद भी सुरक्षा एजेंसियां जंगलों में माओवादियों द्वारा छिपाए गए हथियारों, विस्फोटकों और अन्य सामग्री की तलाश में लगातार अभियान चला रही हैं। इसी क्रम में गरियाबंद जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुल्हाड़ीघाट, कठवा और गंवरमुड़ के जंगलों में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 65वीं बटालियन और जिला पुलिस बल की संयुक्त टीम शामिल रही। जवानों ने जंगल के संवेदनशील इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाते हुए संदिग्ध स्थानों की जांच की।

पुलिया के पास जमीन में छिपाकर रखा था विस्फोटक

सर्च ऑपरेशन के दौरान गोवरमुंडा क्षेत्र में एक पुलिया के पास जवानों को संदिग्ध सामग्री तत्काल आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी।

गोवंश हत्या मामले में बड़ा खुलासा, नागपुर से मुख्य आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में गोवंश की हत्या कर सिर को अलग-अलग स्थानों पर फेंकने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गौरीनगर क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद फरार चल रहे तीन आरोपियों को चिखली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मुख्य आरोपी एजाज अहमद उर्फ कसाई उर्फ वकील अंसारी को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार किया गया है। वहीं दो महिला आरोपियों को गौरीनगर से पकड़ा गया है। इस मामले में अब तक एक अपचारी बालिका सहित कुल 14 लोगों को पकड़ा जा चुका है।

शीतला तालाब और अंडरब्रिज के पास फेंका था गोवंश का सिर

जानकारी के मुताबिक, राजनांदगांव के गौरीनगर क्षेत्र में गोवंश की हत्या कर उसके सिर को शीतला तालाब और निर्माणाधीन अंडरब्रिज के पास फेंकने का मामला सामने आया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास शुरू किए। चिखली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम लगातार संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई थी। जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं, जिनके आधार पर फरार आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली।

नागपुर में छिपा था मुख्य आरोपी, पुलिस ने दबोचा

पुलिस के अनुसार, घटना के बाद मुख्य आरोपी एजाज अहमद उर्फ कसाई उर्फ वकील अंसारी फरार हो गया था। उसकी तलाश के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि वह नागपुर में मौजूद है। इस सूचना के आधार पर चिखली पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने नागपुर पहुंचकर कार्रवाई की।

संचालन जारी रहने की बात सामने आई है। इससे आसपास के किसानों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है

बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में शामिल होंगी राष्ट्रपति श्रीमती

एक सत बुलेटिन ➤ राजिम

छत्तीसगढ़ के राजिम क्षेत्र में महानदी मुख्य नहर की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कोंडापार से थनौद तक पाइपलाइन बिछाने के निर्माण कार्य में लगे मध्य प्रदेश के एक ठेकेदार पर नियमों की अनदेखी कर नहर के सर्विस बैंक पर लोडेड हाईवा और अन्य भारी वाहन चलवाने का आरोप है। लगातार भारी वाहनों की आवाजाही से नहर के तटबंध को नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की बार-बार समझाइश और आपत्ति के बावजूद वाहनों का संचालन जारी रहने की बात सामने आई है। इससे आसपास के किसानों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है।

भारी वाहनों की आवाजाही से नहर की सुरक्षा पर संकट

जानकारी के अनुसार, गंगरेल जलाशय से नया रायपुर तक पानी पहुंचाने की परियोजना के तहत कोंडापार में इंटेकवेल का निर्माण प्रस्तावित है। यहां से पाइपलाइन के जरिए नया रायपुर को पानी पहुंचाया जाएगा। इसी परियोजना के अंतर्गत कोंडापार से थनौद तक महानदी मुख्य नहर के समानांतर पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार द्वारा नहर के सर्विस बैंक का इस्तेमाल भारी वाहनों की आवाजाही के लिए किया जा रहा है। लोडेड हाईवा के लगातार गुजरने से नहर किनारे की मिट्टी दब रही है और रास्ते पर गहरे टायरों के निशान बन गए हैं।



अधिकारियों की चेतावनी भी बेअसर

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान भारी वाहनों के संचालन पर आपत्ति जताई थी। अधिकारियों ने संबंधित लोगों को नहर के सर्विस बैंक पर वाहन नहीं चलाने की समझाइश दी थी। इसके अलावा इस संबंध में पत्राचार भी किए जाने की जानकारी सामने आई है। बावजूद इसके भारी वाहनों का संचालन बंद नहीं होने का आरोप है। नहर का सर्विस बैंक सामान्य सड़क नहीं, बल्कि सिंचाई व्यवस्था और तटबंध की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही से संरचना को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है।

गंगरेल से छोड़ा जा रहा पानी, बढ़ी चिंता

वर्तमान में गंगरेल जलाशय से महानदी मुख्य नहर में खरीफ फसलों की सिंचाई के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। ऐसे समय में नहर के तटबंध को किसी भी प्रकार का नुकसान किसानों और आसपास के ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। आशंका जताई जा रही है कि यदि कमजोर तटबंध में कटाव बढ़ा और नहर क्षतिग्रस्त हुई, तो पानी आसपास के खेतों और गांवों की ओर फैल सकता है। इससे किसानों की खड़ी फसल, कृषि भूमि, मकान और अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। हालांकि, नहर के टूटने या बाढ़ आने की किसी घटना की पुष्टि नहीं हुई है।

नहर किनारे ठेकेदार का कैंप, फिर भी नियमों की अनदेखी

बताया जा रहा है कि संबंधित ठेकेदार का कैंप ग्राम कोंडापार में महानदी मुख्य नहर के ठीक बगल में स्थित है। इसके बावजूद सर्विस बैंक पर भारी वाहनों के संचालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। नहर किनारे वाहनों की आवाजाही से विभागीय कर्मचारियों को नियमित गश्त और निगरानी में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सिंचाई के इस महत्वपूर्ण समय में नहर की नियमित निगरानी आवश्यक है, ताकि पानी किसानों तक बिना किसी बाधा के पहुंच सके।

सैकड़ों किसानों ने की कार्रवाई की मांग

कोंडापार से थनौद तक के सैकड़ों किसानों ने नहर के सर्विस बैंक पर लोडेड हाईवा और अन्य भारी वाहनों की आवाजाही तत्काल बंद कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि नहर के प्रभावित हिस्सों का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए और जहां नुकसान हुआ है, वहां आवश्यक मरम्मत की जाए। इसके अलावा निर्माण कार्य में लगे भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करने तथा नियमों की अनदेखी करने वाले संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने डेनमार्क ओपन जीता



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

साउथ कोरिया की आन से-यौंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रविवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया।डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-यंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसांती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने इसकी पुष्टि की। रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं।

जीत के बाद सी-यंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाना और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूं, लेकिन एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हूं।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।'दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है।

आन से-यौंग फाइनल में यामागुची के खिलाफ पहला गेम 21-23 से हार गई थीं। उन्होंने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और इसे 21-14 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंच गया। तीसरे गेम में आन एक समय 5-11 से पीछे थीं। कोर्ट पर फिसलने के बाद उनके दाएं टखने में चोट लगी। इसके बावजूद उन्होंने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने कोर्ट के धीमे हिस्से का फायदा उठाया और तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया।

मंधाना की कप्तानी में भारत की लगातार दूसरी जीत



भारतीय महिला टीम ने दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। रायपुर में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 102 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.5 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ओपनर शेफाली वर्मा ने 25 गेंद पर 55 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान स्मृति मंधाना 23 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहीं।

पैरा एशियन गेम्स- भारत को एक ही इवेंट में गोल्ड-सिल्वर



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

ये दोनों मेडल विमेंस 10 मीटर राइफल शूटिंग की sh1 कैटेगरी में आए। इसमें कमर से नीचे की दिव्यांगता वाले शूटर हिस्सा लेते हैं।जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में मोना ने 250.0 अंक और अवनी ने 249.6 अंक हासिल किए। कोरिया की युनरी ली ने 227.9 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।मोना पहले और अवनी दूसरे स्थान पर रहीं। जयपुर की दोनों निशानेबाजों के बीच मुकाबला 24 शॉट के फाइनल के आखिरी शॉट तक चला। निर्णायक शॉट से पहले मोना 0.1 अंक की बढ़त पर थीं। उस समय स्कोर 239.1 और 239.2 था। मोना ने आखिरी शॉट में 10.8 अंक हासिल किए। अवनी ने 10.5 अंक बनाए। दूसरा कोटा स्थान मिला।

टेस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी, न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा

रवि शास्त्री बोले- बुमराह वर्ल्डकप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें

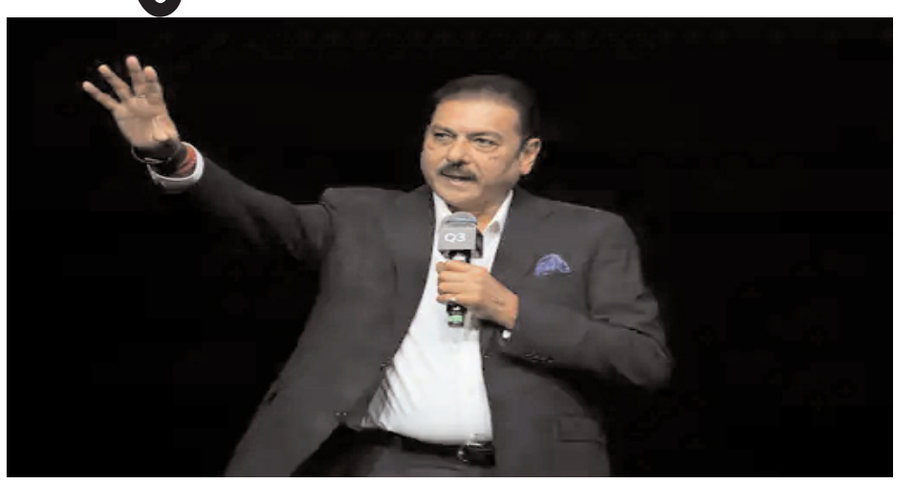
एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बुमराह के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह को अगले साल के अंत में होने वाले ODI वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट नहीं खेलना चाहिए।

शास्त्री ने रविवार देर रात स्टार स्पोर्ट्स में कहा कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलें। वनडे और T20 में उन्हें कभी-कभार ही उतारा जाए, ताकि वह चोट से बच सकें।

बुमराह न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वे कीवियों के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के लिहाज से अहम है।

तक तनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए और वनडे-टी20 में कभी-कभार उतरना चाहिए।



उसे पूरी सीरीज या हर मैच नहीं खेलना चाहिए।

मैं उसे टेस्ट मैचों के लिए बचाकर रखना चाहूंगा। यह बहुत जरूरी है। वह भारतीय टीम का अहम सदस्य है। इसके बाद बाकी फॉर्मेट में उसका इस्तेमाल सीमित तौर पर होना चाहिए।यह एक कड़ी परीक्षा है। न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में उसे हराना आसान नहीं है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया को उस पर बढ़त हासिल रही है।' उन्होंने आगे कहा, ÷विदेशी दौरे पर एक युवा कप्तान के लिए यह अच्छा चैलेंज होगा।÷

न्यूजीलैंड दौरे पर गिल की कप्तानी की परीक्षा

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर सबसे ज्यादा ध्यान है। ऐसे में विदेशी दौरे पर टीम की कप्तानी को लेकर भी चर्चा हो रही है।शुभमन गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ सीरीज में अपनी कप्तानी साबित की थी।

व्यापार

फोनपे वॉलेट बंद रखने पर मेंटेनेंस चार्ज लगेगा

365 दिन इस्तेमाल न करने पर हर तीन महीने में 100 कटेंगे; कंपनी 15 दिन का नोटिस भेजेगी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म फोनपे अपने यूजर्स से इनएक्टिव वॉलेट के लिए मेंटेनेंस फीस वसूलने की तैयारी कर रहा है। कंपनी के नए नियमों के मुताबिक, अगर किसी यूजर का वॉलेट लगातार 365 दिनों (1 साल) तक इस्तेमाल नहीं किया जाता है, तो उसे डॉर्मेंट या इनएक्टिव मान लिया जाएगा। ऐसे वॉलेट्स से हर तिमाही ?100 का चार्ज काटा जाएगा।

कंपनी के इस फैसले का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क (पहले ट्विटर) और पर कड़ा विरोध हो रहा है। कई यूजर्स ने स्क्रीनशॉट शेयर कर बताया है कि उन्हें वॉलेट रिचार्ज करने या ट्रांजैक्शन करने के स्क्रू मिलने शुरू हो गए हैं, ताकि वे इस पेनाल्टी से बच सकें।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ङ्क (पहले ट्विटर) और रेडिट पर इस फैसले को लेकर यूजर्स ने स्क्रीनशॉट शेयर कर बताया कि उन्हें फोनपे की तरफ से स्क्रू मिल रहे हैं, जिसमें वॉलेट रिचार्ज करने या मेंटेनेंस फीस देने की बात कही जा रही है। यूजर्स इस बात से ज्यादा



परेशान हैं कि यह चार्ज सालाना न होकर तिमाही (हर 3 महीने में) के आधार पर लागू हो रहा है, जो उन्हें एक पेनल्टी की तरह लग रहा है।

बैलेंस 100 से कम होने पर पूरा वॉलेट खाली हो जाएगा

कंपनी की नियम और शर्तों के अनुसार, 15 दिन के नोटिस पीरियड के दौरान यूजर्स को कई बार अलर्ट भेजा जाएगा। इसके बाद भी अगर वॉलेट एक्टिव नहीं होता है, तो वॉलेट बैलेंस से फीस काट ली जाएगी। यदि आपके वॉलेट में 100 रुपए से कम का बैलेंस है, तो कंपनी पूरी रकम काट लेगी और वॉलेट बैलेंस को माइनस में ले जाने के बजाय जीरो (0) कर देगी। इसके साथ ही फोनपे के पास अपनी फीस पॉलिसी में बदलाव करने और मौजूदा सर्विसेज पर नए चार्ज लगाने का अधिकार सुरक्षित है।

मोबिक्विक और एयरटेल पेमेंट्स बैंक भी लेते हैं चार्ज

डिजिटल वॉलेट इंडस्ट्री में इनएक्टिविटी चार्ज लगाने वाली फोनपे पहली कंपनी नहीं है। इससे पहले साल 2021 में मोबिक्विक ने अपने इनएक्टिव यूजर्स पर 100 से 140 रुपए सालाना वॉलेट मेंटेनेंस चार्ज लगाने का ऐलान किया था। इसके अलावा एयरटेल पेमेंट्स बैंक भी अपने चार्ज शेड्यूल में इनएक्टिव वॉलेट के लिए मेंटेनेंस फीस की लिस्ट रखता है।

इससे साफ है कि डिजिटल वॉलेट बिजनेस

भारत में नया ऑयल रिजर्व बनेगा, 15000 करोड़ खर्च होंग

सोना एक दिन में 3,123 और चांदी ?8,218 सस्ती हुई, फोनपे वॉलेट बंद रखने पर मेंटेनेंस चार्ज लगेगा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कल की बड़ी खबर क्क्ष से जुड़ी रही। अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान हुए तेल संकट के बाद केंद्र सरकार ने नया इमरजेंसी ऑयल रिजर्व बनाने का फैसला लिया है। यह रिजर्व ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ह्हह्तष्ट) बनाएगी। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 15,000 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। सोने-चांदी के दाम में 19 जून को गिरावट रही। एक किलो चांदी 8,218 रुपए गिरकर 2.32 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 2.40 रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,123 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए पर आ गया है।



कल की बड़ी खबर से पहले आज की ये सुर्खियांज

शेयर बाजार आज बंद रहेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ।

1. 15000 करोड़ की लागत से बनेगा नया इमरजेंसी ऑयल रिजर्व- ईरान जंग के बाद फैसला; युद्ध या तेल संकट के वक्त करीब 11 दिन का तेल स्टोर रहेगा

अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान हुए तेल संकट के बाद केंद्र सरकार ने नया इमरजेंसी ऑयल रिजर्व बनाने का फैसला लिया है। यह रिजर्व ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन बनाएगी।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस पूरे प्रोजेक्ट में करीब 15,000 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। यह अंडरग्राउंड इमरजेंसी तेल भंडार कर्नाटक के मंगलुरु में बनाया जाएगा। इसमें 1.28 लाख बैरल तेल रखा जा सकेगा।

पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करेंज

2. जियो का आएगा, यह देश में सबसे बड़ा- 27 करोड़ शेयर से 37,700 करोड़ जुटाने का प्लान; मुंबई में मेडिकल सिटी, वनतारा यूनिवर्सिटी बनेगी

रिलायंस इंडस्ट्रीज की 49वीं सालाना बैठक, यानी ˛ तरू शुक्रवार, 19 जून को हुई। कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने करीब 44 लाख शेयरहोल्डर्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कंपनी यूरोप और अफ्रीका के मार्केट में एंट्री कर रही है। वहीं, कंपनी जियो का भी लाने जा रही है।अंबानी बताया कि जियो प्लेटफॉर्म्स का ढ्ढक्क लाया जाएगा। इसके लिए 19 जून को सेबी के पास ड्राफ्ट दस्तावेज जमा कर दिए गए हैं।

सोना 2830 सस्ता हुआ

इस हफ्ते सोने-चांदी में गिरावट रही:चांदी की कीमत 10609 कम होकर 2.32 लाख किलो हुई,

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,830 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 13 जून को 1.48 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.43 लाख रुपए किलो से गिरकर 2.32 लाख रुपए पर आ गई है। यानी इसकी कीमत 10,609 रुपए कम हुई।

ऑल टाइम हाई से 31 हजार गिरा सोना

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76



लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 142 दिन में चांदी 1.54 लाख रुपए सस्ती हो गई है। सोने-चांदी के दाम में गिरावट की वजह यूएस-ईरान समझौता- अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम समझौता साइन हुआ है। इसकी वजह से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा कम हो गया, जिससे निवेशकों ने सोने-चांदी जैसे सुरक्षित निवेश से अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया।यूएस फेडरल रिजर्व का रुख- फेडरल रिजर्व ने हाल ही में संकेत दिए हैं कि वह इस साल ब्याज दरों में कटौती करने के बजाय उन्हें बढ़ा सकता है। ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीद से सोने जैसी बिना ब्याज वाली धातु की चमक कम हो जाती है। मजबूत अमेरिकी डॉलर- फेडरल रिजर्व के संकेतों के बाद वैश्विक बाजार में अमेरिकी डॉलर इंडेक्स मजबूत हुआ है। आमतौर पर जब डॉलर मजबूत होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरती हैं।

मृतक निवेशकों के शेयर-बॉन्ड्स आसानी से वारिसों के नाम होंगे:सेबी ने ट्रांसफर प्रोसेस को सरल बनाया,

एजेंसी ➤ मुंबई

सेबी बोर्ड ने शुक्रवार को हुई मीटिंग में मृतक निवेशकों के नाम पर मौजूद सिक्योरिटीज जैसे- शेयर्स और बॉन्ड्स को उनके कानूनी वारिसों और दावेदारों के नाम पर ट्रांसफर करने की प्रोसेस को आसान बनाने का फैसला किया है।

इसके साथ ही रेगुलेटर ने फिजिकल और डीमैट फॉर्म में सिक्योरिटीज रखने वाले दावेदारों के लिए नई कैटेगरीज भी बनाई हैं।

छोटे दावेदारों के लिए बनी नई कैटेगरी

सेबी ने उन दावेदारों के लिए एक नई कैटेगरी बनाई है जहां फिजिकल फॉर्म में सिक्योरिटीज की वैल्यू प्रति शेयर 10,000 रुपए से ज्यादा नहीं है। वहीं डीमैट फॉर्म में रखी सिक्योरिटीज के लिए यह लिमिट प्रति शेयर 30,000 रुपए तय की गई है।

स्मॉल-वैल्यू क्लेम की रकम को दोगुना किया

रेगुलेटरी अथॉरिटी ने स्मॉल-वैल्यू क्लेम के अमाउंट को दोगुना कर दिया है। अब फिजिकल शेयर्स के लिए यह सीमा बढ़कर 10 लाख रुपए प्रति शेयर और डीमैट शेयर्स के लिए 30 लाख रुपए प्रति शेयर हो गई है।

इसके अलावा बोर्ड ने कई ऐसे उपायों को मंजूरी दी है, जिससे कागजी औपचारिकताएं यानी प्रोसीजरल रिक्वायरमेंट्स कम होंगी और ट्रांसमिशन प्रोसेस आसान होगी।

पैन कार्ड और वसीयत की अनिवार्यता खत्म

सेबी ने साफ किया है कि चूंकि सिक्योरिटीज का ट्रांसमिशन डीमैट अकाउंट में किया जाएगा, जिसके लिए अकाउंट खोलते समय पैन देना पहले से ही जरूरी होता है। इसलिए अब ट्रांसमिशन के समय अलग से पैन सबमिट करने की जरूरत नहीं होगी।

इसके साथ ही, हाल ही में उत्तराधिकार कानूनों यानी सक्सेशन लॉ में हुए बदलावों को देखते हुए वसीयत का प्रोबेट यानी प्रोबेट ऑफ विल प्राप्त करने की अनिवार्य शर्त को भी खत्म कर दिया गया है।

अलग-अलग कागजात की जगह अब सिर्फ एक मार्केट रेगुलेटर ने नियमों को सरल बनाते हुए कहा कि अब निवेशकों को अलग-अलग एफिडेविट और एनओसी



कौन करेगा 'रिजीम चेंज'

'तख्तापलट' लोकतंत्र की भाषा नहीं है। जनमत के जरिए सत्ताएं बाहर होती रही हैं और जनादेश प्राप्त दल या गठबंधन सत्तारूढ़ होते रहे हैं। भारत एक संप्रभु, गणतांत्रिक, लोकतांत्रिक, संवैधानिक राष्ट्र है। भारत में आज तक तख्तापलट नहीं किया जा सका। देश में सत्ता का हस्तांतरण एकदम सहज और सरल भाव के साथ हो जाता है। हम अब किसी मुगल बादशाह की सल्तनत का देश नहीं हैं। भारत बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका भी नहीं है और कभी हो भी नहीं सकता। इन देशों में एक निश्चित भीड़ ने विद्रोह किया और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोडऩा पड़ा। बांग्लादेश में तो 6 बार तख्तापलट किए जा चुके हैं। फिर भी इन देशों में नई सत्ता चुनाव के जरिए ही स्थापित हो पाई। हमारे देश में जो हुड़दंगी बांग्लादेश के 'कट्टरपंथी विद्रोह' से प्रेरित हैं, वे मुगालते में हैं और कठपुतलियों की तरह सक्रिय हैं। वे भारतीय सत्ता का 'तिनका' भी नहीं तोड़ सकते। भारत में 1977 से पहले कांग्रेस ही सत्ता में रहती थी, बेशक उसके टुकड़े होते रहते थे। आपातकाल के बाद 1977 में चुनाव हुए, तो पहली बार गैर-कांग्रेसी, जनता पार्टी की, सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। तब वाकई 'रिजीम चेंज', यानी व्यवस्था-परिवर्तन, हुआ था, क्योंकि जनता पार्टी की सरकार मानसिक, वैचारिक, कार्य-प्रणाली के तौर पर भी गैर-कांग्रेसी थी, लिहाजा भारत सरकार में कई स्तरों पर व्यवस्थाएं बदली गईं। हालांकि वह राजनीतिक प्रयोग, अंतत:, नाकाम साबित हुआ। उसने निराश किया, वह विभाजित हो गया, अंतत: 1980 में इंदिरा गांधी सरकार की वापसी हुई। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जयप्रकाश नारायण और मोरारजी देसाई सरीखे नेताओं को 'सीआईए एजेंट' तक करार दिया था। राममनोहर लोहिया और तत्कालीन जनसंघ के नेता नारे लगाया करते थे-'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।' परिवर्तन की, लड़ाई है। हम युवाओं के नेतृत्व में 'रिजीम चेंज' करके रहेंगे। उन्होंने ऐसे ही नारे 'अन्ना आंदोलन' के दौरान भी लगाए थे।

(एक नजर)

4 राशियों की चमकेगी किस्मत

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को साहस, ऊर्जा, पराक्रम और नेतृत्व क्षमता का कारक माना जाता है। मंगल का राशि परिवर्तन जीवन के कई क्षेत्रों पर प्रभाव डालने वाला माना जाता है। 12 नवंबर 2026 को मंगल कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करके 9 मार्च 2027 तक इसी राशि में रहेंगे। इस अवधि में मेष, सिंह, वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों को करियर, कारोबार और आर्थिक मामलों में लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, परिणाम व्यक्ति की कुंडली और परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। पंचांग के अनुसार, मंगल 12 नवंबर 2026 को रात करीब 8:30 बजे सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में मंगल लगभग 117 दिनों तक रहेंगे। ज्योतिषीय मान्यताओं में मंगल को भूमि, साहस, भाई-बहन और पराक्रम से जोड़ा जाता है। सिंह राशि में मंगल का गोचर आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और कामकाज में सक्रियता बढ़ाने वाला माना जाता है। मेष राशि: मेष राशि के जातकों के लिए मंगल का गोचर सकारात्मक परिणाम ला सकता है। आत्मविश्वास बढ़ने से आप अपने काम बेहतर तरीके से पूरा कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी या आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है।

विचार

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी

धनंजय राठौर

संयुक्त संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, रायपुर

देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी। देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के रेलवे



बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है। राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्ग छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाईन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी।

विचार

प्रतिभा की खोज पदक जीतने के बाद क्यों?

डा. राकेश कपूर

लेखक

गीता और बबीता फोगाट सहित कई खिलाडियों ने ऐसे माहौल में प्रशिक्षण लिया, जहां लड़कियों का अखाड़े में उतरना ही सामाजिक मान्यताओं को चुनौती देना था। शुरुआती दौर में महिला पहलवानों के लिए उपयुक्त सुविधाओं का अभाव भी था। निशानेबाजी में प्रतिभा तलाशने की कल्पना कीजिए। एक गरीब ग्रामीण परिवार की बेटी के पास न महंगी राइफल खरीदने के पैसे हैं, न नियमित अभ्यास के लिए आधुनिक रेंज तक पहुंचने के साधन।

गीता और बबीता फोगाट सहित कई खिलाडियों ने ऐसे माहौल में प्रशिक्षण लिया, जहां लड़कियों का अखाड़े में उतरना ही सामाजिक मान्यताओं को चुनौती देना था। शुरुआती दौर में महिला पहलवानों के लिए उपयुक्त सुविधाओं का अभाव भी था। निशानेबाजी में प्रतिभा तलाशने की कल्पना कीजिए। एक गरीब ग्रामीण परिवार की बेटी के पास न महंगी राइफल खरीदने के पैसे हैं, न नियमित अभ्यास के लिए आधुनिक रेंज तक पहुंचने के साधन। यदि वह उधार के उपकरणों से अभ्यास करती है, तो उसकी सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा की कहानी नहीं, बल्कि हमारी संस्थागत उदासीनता का आईना भी है। यही प्रश्न उन बेटियों के लिए भी है जो गांव के अखाड़ों, अस्थायी प्रशिक्षण स्थलों और सीमित संसाधनों में अभ्यास करती हैं। यदि माता-पिता को बेटी के खेल के सपने के लिए जमीन या पशुधन बेचने की नौबत आए, तो क्या इसे परिवार का त्याग कहकर छोड़ देना चाहिए? या यह पूछना चाहिए कि सार्वजनिक खेल व्यवस्था आखिर किसके लिए है? राष्ट्रीय स्तर पर जुलाई 2025 में घोषित खेलो भारत नीति 2025 में भी जमीनी खेल ढांचे, शुरुआती प्रतिभा पहचान और समावेशी खेल अवसरों पर जोर दिया गया है। अब चुनौती इन उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर लागू करने की है।हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में प्रतिभा की पहचान के लिए अलग



दृष्टिकोण जरूरी है। बिखरी हुई आबादी, दूरस्थ गांव, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और प्रशिक्षण केंद्रों तक पहुंच की समस्या ग्रामीण खिलाडियों के लिए अतिरिक्त बाधाएं पैदा करती हैं। राज्य की खेल नीति और सरकारी योजनाओं में ग्रामीण खेल सुविधाओं, बेहतर प्रशिक्षण, उपकरणों, छात्रवृत्तियों तथा प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रोत्साहन देने जैसे उद्देश्य पहले से मौजूद हैं। फिर भी असली कसौटी घोषणाएं नहीं, बल्कि यह है कि इन सुविधाओं का लाभ उस बच्ची तक कितनी जल्दी पहुंचता है, जिसके पास प्रतिभा है, लेकिन संसाधन नहीं। हिमाचल की कबड्डी खिलाड़ी रितु नेगी की उपलब्धियां इस चर्चा को और प्रासंगिक बनाती हैं। वह भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान रह चुकी हैं और एशियाई खेलों में भारत की सफलताओं में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। खिलाडियों को सम्मान और प्रोत्साहन देने की सरकारी व्यवस्था में निरंतरता तथा निष्पक्षता इसलिए जरूरी है कि खिलाड़ी की पहचान केवल तत्कालीन चयन सूची या प्रशासनिक निर्णय पर निर्भर न रहे। पहला, गांव से प्रतिभा की खोज। स्कूलों, पंचायतों और स्थानीय खेल क्लबों के माध्यम से नियमित प्रतिभा पहचान अभियान चलाए जाएं। केवल जिला मुख्यालयों या पहले से स्थापित अकादमियों तक सीमित चयन व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। दूसरा, पदक से पहले निवेश। उभरते खिलाडियों को छात्रवृत्ति, पौष्टिक भोजन, जूते, खेल उपकरण, यात्रा भत्ता और प्रशिक्षित कोच उपलब्ध कराए जाएं। आर्थिक सहायता का आधार केवल पिछली उपलब्धियां नहीं, बल्कि प्रतिभा, प्रशिक्षण की जरूरत और परिवार की आर्थिक स्थिति भी होनी चाहिए। तीसरा, बेटियों के लिए सुरक्षित सुविधाएं। महिला प्रशिक्षक, सुरक्षित छात्रावास, स्वच्छ शौचालय, उचित परिवहन और शिकायत निवारण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। माता-पिता का भरोसा जीते बिना ग्रामीण बेटियों की खेल भागीदारी बढ़ाना कठिन होगा। चौथा, हिमाचल के लिए क्षेत्र-विशिष्ट मॉडल। दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण केंद्र विकसित हों। हर जगह महंगा स्टेडियम बनाने के बजाय उपयोगी मैदान, प्रशिक्षित कोच, खेल सामग्री और नियमित प्रतियोगिताओं को प्राथमिकता दी जाए। पांचवां, जवाबदेही और पारदर्शिता। खेल बजट का कितना हिस्सा ग्रामीण प्रतिभा, महिला खिलाडियों, प्रशिक्षकों और जमीनी सुविधाओं पर खर्च हुआ, इसका सार्वजनिक विवरण उपलब्ध कराया जाए। खिलाडियों को समय पर सहायता देने और शिकायतों का समाधान करने की व्यवस्था भी हो।भारत की बेटियों ने बार-बार सिद्ध किया है कि प्रतिभा किसी महानगर, महंगे स्टेडियम या संपन्न परिवार की बपौती नहीं है। कभी मिट्टी के अखाड़े से निकलकर, कभी सीमित संसाधनों में मुक्केबाजी सीखकर, तो कभी कठिन परिस्थितियों के बावजूद निशाना साधकर उन्होंने दुनिया को अपनी क्षमता दिखाई है। हिमाचल सहित पूरे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है।

विचार

क्या कभी आत्मदैन्य से मुक्त हो सकेंगे हम?

प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक

लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है।कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं ,उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं ! ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं,कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोध, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है।लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का



अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और खुद को आधा-अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,वरना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था।औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग छोड़कर अंग्रेजियत की पगडंडियों पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। स्व के स्थान पर परकीय विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक राष्ट्र नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़ेपन के रुप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया।राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे विचारों की घर वापसी कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकूल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विनम्र बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाए संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझापन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मतभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी शास्त्रार्थ परंपरा है। इसलिए ÷एक किताब,एक विचार, एक देवता को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है।



परफेक्ट और स्पेशल दिखने मदद करता है

आपकी इमेज ही सब कुछ है, जो पहली बार में दूसरों के सामने आपका इंप्रेशन क्रिएट करती है। हर मौके पर आप हर तरह से परफेक्ट और स्पेशल दिखें, इमेज कंसल्टेंट इसी में आपकी मदद करता है। सेलिब्रिटीज, कॉर्पोरेट्स आदि को इसकी खास जरूरत पड़ती है। आप इससे संबंधित कोर्स और ट्रेनिंग के बाद आसानी से इमेज कंसल्टेंट बन सकते हैं।

क्या है काम?

इमेज कंसल्टेंट ही इस बात का ध्यान रखता है कि किस अवसर पर किसी सेलिब्रिटी को किस तरह की ड्रेस पहननी है। साथ ही, वह ड्रेस की स्टाइल और कलर, हेयर स्टाइल और एक्सेसरीज भी सिलेक्ट करता है। इमेज कंसल्टेंट को फैशन स्टाइलिस्ट और वॉर्डरोब मैनेजर के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि वह अपने क्लाइंट के लिए हर खास मौके का वॉर्डरोब भी मैनेज करता है। पब्लिक प्लेस में उसका क्लाइंट खुद को कैसे प्रस्तुत करता है, इसके लिए इमेज कंसल्टेंट कम्यूनिकेशन स्किल के साथ बॉडी लैंग्वेज पर भी नजर रखता है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए डिग्री लेवल का कोई कोर्स नहीं है। कुछ संस्थान प्रोफेशनल या एडवांस्ड डिप्लोमा इन इमेज कंसल्टिंग और सर्टिफिकेट कोर्स कराते हैं। इसमें स्टाइल, बॉडी एंड कलर एनालिसिस, वॉर्डरोब मैनेजमेंट की जानकारी आदि दी जाती है। वहीं कुछ संस्थान इमेज कंसल्टेंट्स का सर्टिफिकेट लेवल का ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रोग्राम भी चलाते हैं।

चाहिए ये स्किल्स

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए लेटेस्ट फैशन की जानकारी, अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल के साथ-साथ मजबूत प्रेजेंटेशन स्किल होना चाहिए। मार्केटिंग और सेल्फ प्रमोशन के साथ अलग-अलग संस्कृतियों को पहचानने की स्किल भी होनी चाहिए ताकि कल्चर के अनुसार ही इमेज कंसल्टिंग की जा सके। क्लाइंट की बॉडी लैंग्वेज और कलर की साइकोलॉजिकल समझ के साथ उसकी लाइफस्टाइल के बारे में भी पता होना चाहिए ताकि आप उसे बेहतर लुक दे सकें और क्लाइंट भी कंफर्टेबल महसूस कर सके।

करियर स्कोप

एयरलाइंस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सफलता एम्प्लॉयीज की बेहतर इमेज पर निर्भर करती है क्योंकि इनके एम्प्लॉयीज यहां आने वाले लोगों से इंटरेक्शन करते हैं। ऐसे में एम्प्लॉयीज में बेहतर इंटरेक्शन स्किल विकसित करने के लिए इस इंडस्ट्री में इमेज कंसल्टेंट की मांग बढ़ी है। फैशन इंडस्ट्री में मॉडल्स और डिजाइनर्स के पर्सनल इमेज कंसल्टेंट के तौर पर भी अच्छी संभावनाएं हैं। गारमेंट रिटेल इंडस्ट्री भी इमेज कंसल्टेंट्स को नियुक्त कर रही है, जो फैशन बदलने पर कैसे गारमेंट्स खरीदने हैं, क्लाइंट्स को इसकी सलाह देते हैं। एचआर और रिक्रूटमेंट एजेंसी में भी काम कर सकते हैं, ताकि जॉब सीकर्स की एनालिसिस की जा सके और सोर्स कंपनीज को परफेक्ट एम्प्लॉयीज मिल सकें। आप प्राइवेट इमेज कंसल्टेंट, वॉर्डरोब मैनेजर और फैशन एडवाइजर के तौर पर भी जॉब कर सकते हैं।

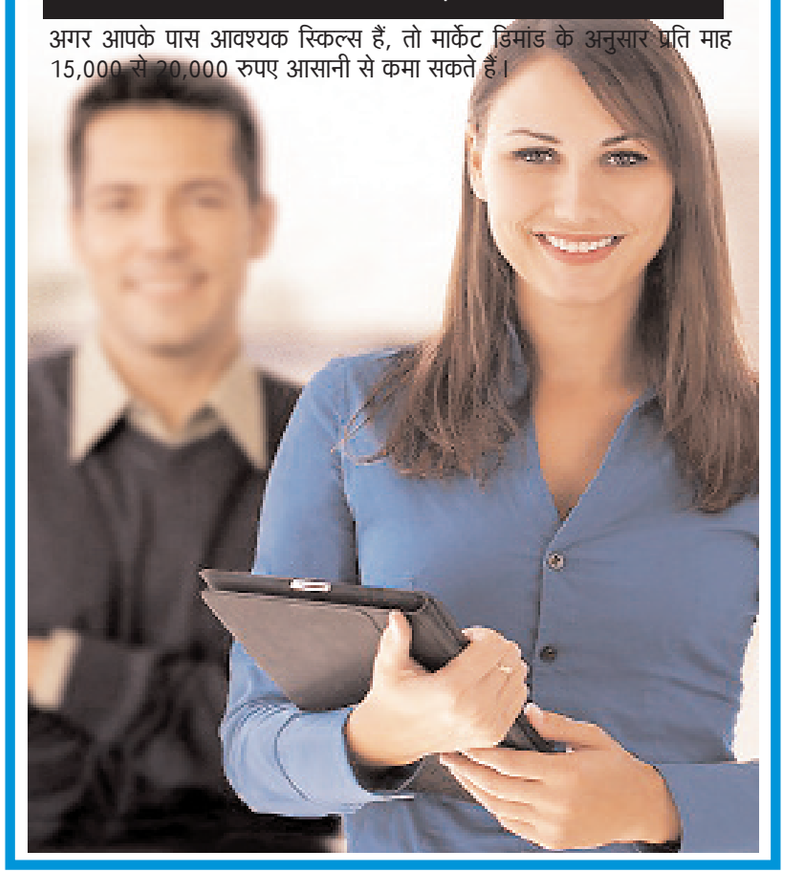
सैलरी कितनी?

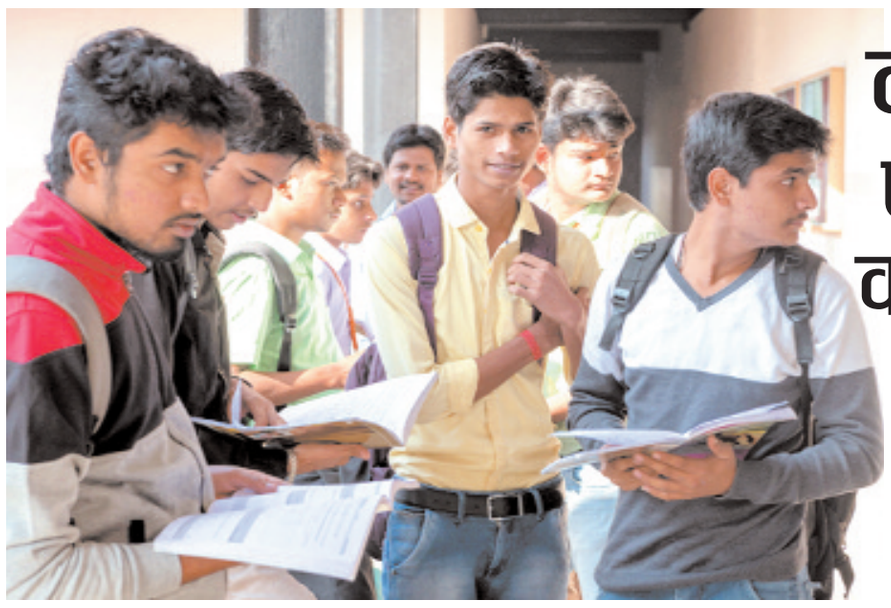
इमेज कंसल्टेंट की कोई तय सैलरी नहीं है। यह इमेज कंसल्टेंट के वर्क नेचर, अनुभव और क्लाइंट पर निर्भर करती है। खुद की फर्म शुरू करना बेहतर होता है क्योंकि इसके लिए आपको न तो बहुत ज्यादा इनवेस्टमेंट करने की जरूरत पड़ती है और न ही स्टाफ रखने की। आपको खुद ही क्लाइंट की काउंसलिंग करनी होती है।

प्रमुख संस्थान

इमेज कंसल्टिंग बिजनेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
इस्टीट्यूटी कैलगरी, मुंबई
फर्स्ट इम्प्रेशन, भुवनेश्वर
स्टर्लिंग स्टाइल एकेडमी, मुंबई
इमेज, स्टाइल एंड एटिकेट कंस्लटेंट, गुड़गांव

अगर आपके पास आवश्यक स्किल्स हैं, तो मार्केट डिमांड के अनुसार प्रति माह 15,000 से 20,000 रुपए आसानी से कमा सकते हैं।





कड़ी चुनौती होती है एडमिशन के लिए अच्छे कॉलेज का चयन करना

एडमिशन के लिए अच्छे कॉलेज का चयन करना हर स्टूडेंट के सामने एक कड़ी चुनौती होती है। अगर इस मोड़ पर कोई गलती हो गई, तो पूरा करियर इस गलती की सजा भुगत सकता है। अतः यहां कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसे आप एडमिशन से पहले का 'होमवर्क'



स्टूडेंट को स्वयं को परखना चाहिए कि वह कहां खड़ा है, उसकी पढ़ाई का क्या बैकग्राउंड है। इसके लिए संस्थानों की वेबसाइट देखकर एडमिशन का विवरण समझ लें। फिर स्वयं संस्थान में जाकर पड़ताल करें। प्रत्येक संस्थान के एडमिशन के क्राइटेरिया अलग-अलग होते हैं। उसी आधार पर स्वयं का आकलन कर संस्थान का चयन करें। संस्थान चयन में यह सतर्कता आपकी राह आसान करेगी।

चयन का फॉर्मूला

किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पूर्व संस्थान की संबद्धता, मान्यता, मैनेजमेंट, फैकल्टी और वहां पढ़ रहे स्टूडेंट्स से मिलकर वहां के नियम-कायदे को जानना ठीक रहता है। संस्थान चयन में विज्ञापन के मायाजाल से बचने के लिए स्वयं वहां जाकर उसकी गुणवत्ता को परखें और विशेषज्ञ से सलाह-मशविरा जरूर करें। अगर आप इस तरह की जांच-पड़ताल करते हैं, तो आप बेहतर संस्थान के काफी करीब पहुंच सकते हैं।

जानें मान्यता

आप जिस भी संस्थान में पढ़ाई करने का निर्णय करने जा रहे हैं, उससे पहले बेहतर होगा कि आप जान लें कि उस संस्थान की मान्यता है भी कि नहीं। अगर है, तो संस्थान की संबद्धता किस आधार पर है। जिस आधार पर मान्यता मिली है, उसकी कसौटी पर वह कितना खरा है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो गुमराह होने की संभावना कम हो सकती है।

फैकल्टी है अहम

किसी भी संस्थान की फैकल्टी का रोल अहम होता है। यदि फैकल्टी अच्छी है, तो भविष्य भी बेहतर होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। इसलिए फैकल्टी को पहली प्राथमिकता देते हुए संस्थान को वरीयता क्रम में फर्स्ट चॉइस में रखें। करियर की दृष्टि से यह जानना महत्वपूर्ण है कि टीचर का बैकग्राउंड क्या है, अर्थात वह किस संस्थान से पास-आउट है। यह सब जानकारी उस संस्थान में पढ़ रहे सीनियर्स से बेहतर कोई



ट्रैवल फोटोग्राफी में बहुत है

एक तस्वीर बहुत कुछ बयां कर सकती है। वह आपको चकित या आनंदित कर सकती है। यही नहीं, अगर तस्वीर खींचने वाला यानी फोटोग्राफर कल्पनाशील और क्रिएटिव हो, उसके पास एस्थेटिक सेंस हो, तो वह संसार में मौजूद कई अद्भुत चीजों को कैमरे में कैद कर सकता है। फोटोग्राफी के ही कई स्वरूपों में से एक है ट्रैवल फोटोग्राफी।

जिन युवाओं को नौ से पांच ड्यूटी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने में आनंद आता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है। आज युवाओं को यह प्रोफेशन काफी अपील कर रहा है।

क्या है ट्रैवल फोटोग्राफी?

यह फोटोग्राफी का ही एक अंग है, जिसमें किसी खास क्षेत्र के लैंडस्केप, आबादी, संस्कृति, रीति-रिवाज या इतिहास का डॉक्यूमेंटेशन होता है। एक ट्रैवल फोटो वह इमेज होती है, जिसमें हम किसी स्थान या समय की अनुभूति करते हैं, जो किसी इलाके के लोगों, वहां की संस्कृति या प्राकृतिक सौंदर्य से हमारा परिचय कराती है।

एक ट्रैवल फोटोग्राफर देश-दुनिया की सैर कर, अलग-अलग प्रकार की तस्वीरें खींचता है और फिर उन्हें ट्रैवल बुक पब्लिशर्स, पोस्टकार्ड कंपनीज, मैग्जीन्स, होटल्स, न्यूजपेपर्स, वेबसाइट्स आदि को बेचता है। वह प्रोफेशनल या एमेच्योर दोनों हो सकता है।

पर्सनल स्किल्स

तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक कामयाब ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए ट्रैवलिंग के साथ-साथ फोटोग्राफी का भी पैशन होना चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिए कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। आप फील्ड से जुड़ी जितनी जानकारी रखेंगे, उतना बेहतर रहेगा।

इंडस्ट्री में आज जिस तरह की प्रतिस्पर्धा है, बुक्स, मैग्जींस, न्यूजपेपर्स से लेकर ऑनलाइन पोर्टल्स पर विभिन्न फोटोग्राफर्स की उम्दा तस्वीरें देखने को मिलती हैं, उसके मद्देनजर जब आपका भी काम स्तरीय होगा, तो लोग खुद ही अप्रोच करेंगे। इसलिए काम में परफेक्शन और यूनीकनेस बेहद जरूरी है।

इन पर भी दें ध्यान

ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए आपके पास सबसे पहले एक अच्छा डिजिटल कैमरा होना जरूरी है। इसके अलावा, लाइटिंग की समझ होनी चाहिए। रोशनी के साथ चलने और चीजों को देखने की नजर होनी चाहिए। अगर अपना पोर्टफोलियो और वेबसाइट होगा, तो प्रोफेशनल ग्रोथ मिलने में आसानी होगी। कुल मिलाकर आप जितने क्रिएटिव और टेक्निकली साउंड होंगे, विजुअल्स और कलर में दिलचस्पी रखेंगे, आपका काम उतना ही निखरकर सामने आएगा। एक ट्रैवल फोटोग्राफर को अलग-अलग जगहों की संस्कृति और परंपरा की जानकारी होना जरूरी है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

आप हायर सेकंडरी या ग्रेजुएशन के बाद फोटोग्राफी से रिलेटेड कोर्स कर सकते हैं। भारत में कई इंस्टीट्यूट्स फोटोग्राफी और ट्रैवल फोटोग्राफी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स कराते हैं। आप चाहें, तो ऑनलाइन रिसर्च करके भी इसके बारे में जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई इंस्ट्रक्शनल वीडियोज मौजूद हैं, जिन्हें फॉलो कर फोटोग्राफी की बारीकियां सीखी जा सकती हैं।

ट्रैवल फोटोग्राफर्स किसी ऑर्गेनाइजेशन के साथ जुड़कर या फ्रीलांसिंग कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। अगर आपके पास प्रभावशाली राइटिंग स्किल भी है, तो फोटोग्राफी के साथ-साथ ट्रैवल राइटिंग में भी हाथ आजमा सकते हैं। नेशनल ज्योग्राफिक और आउटलुक ट्रैवलर्स में हमेशा क्वॉलिटी प्रोफेशनल्स की डिमांड रहती है। इसके अलावा, किसी स्टूडियो में या सीनियर फोटोग्राफर के असिस्टेंट के





उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम के वनांचल ग्रामों में लगाई चौपाल

हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्राम अंधरीकछार, बोरिया और महली में ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर चौपाल लगाई और उनकी समस्याएं, मांगें एवं शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप सड़क, पुलिया, सामुदायिक भवन, मंच और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों की जांच कर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।



अपने दौरे में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम अंधरीकछार में 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण, 2.60 लाख रुपए की लागत से धरसा मार्ग, महामाया मंदिर के लिए 5 लाख रुपए, 3 लाख रुपए की लागत से मंच निर्माण, 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण तथा समतलीकरण कार्य के लिए 1 लाख रुपए की घोषणा की। इसी प्रकार ग्राम बोरिया में 10 लाख रुपए की लागत से खाद गोदाम, 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क, महादेव मंदिर में 3 लाख रुपए की लागत से मंच तथा प्राथमिक शाला भवन के पास 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की।उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम कापा में 6 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन और 2.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की। वहीं ग्राम सिरमी में 6.50 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन एवं 5.20 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क निर्माण की घोषणा की। ग्राम महली में 2.50 लाख रुपए की लागत से मंच निर्माण, बूढ़ा देव के पास 10 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन, 5.60 लाख रुपए की लागत से सीसी सड़क, 5 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण तथा महामाया मंदिर के पास 10 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की।

तीन गांवों में 427 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत, निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री शर्मा ने जनचौपाल के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए बताया कि ग्राम अंधरीकछार में 163, बोरिया में 128 और अचानकपुर में 136 सहित कुल 427 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत आवासों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए, ताकि हितग्राहियों को जल्द से जल्द पक्के आवास का लाभ मिल सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायत मिलने पर जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवास निर्माण की नियमित निगरानी करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

गन्ना किसानों को मिलेगा शक्कर कारखाने का लाभांश- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हितों को ध्यान में रखकर लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने गन्ने का मूल्य 425 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। इससे गन्ना उत्पादक किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत और सहयोग से भोरमदेव शक्कर कारखाने ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश में सर्वाधिक शक्कर रिकवरी का गौरव प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में पहली बार गन्ना किसानों को शक्कर कारखाने से लाभांश राशि मिलने जा रही है।

अनोखी शादी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई है

छत्तीसगढ़ की बेटी को नीदरलैंड के युवक से हुआ प्यार, सात समंदर पार से आया दूल्हा

संवाददाता ➤ जांजगीर-चांपा

। कहते हैं कि प्यार न तो सरहदों की दूरी देखता है और न ही भाषा और संस्कृति का अंतर। कुछ ऐसी ही प्रेम कहानी छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से सामने आई है। यहां पामगढ़ विकासखंड के छोटे से गांव भुईगांव की रहने वाली 25 वर्षीय क्रिस्टीना नथेनियल ने नीदरलैंड निवासी 32 वर्षीय क्रिस्टीयान एंड्रियश वरबूम के साथ विवाह किया है। दोनों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं और एक-दूसरे को जीवनसाथी बनाया। विवाह प्रमाण पत्र जारी होने के बाद यह अनोखी शादी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई है।



नीदरलैंड में मुलाकात, दोस्ती बदली प्यार में

जानकारी के अनुसार, भुईगांव निवासी क्रिस्टीना नथेनियल नौकरी के सिलसिले में नीदरलैंड में रहती हैं। इसी दौरान उनकी मुलाकात वहां रहने वाले क्रिस्टीयान एंड्रियश वरबूम से हुई। शुरुआत में दोनों के बीच सामान्य बातचीत और दोस्ती हुई। धीरे-धीरे मुलाकातों का सिलसिला बढ़ा और दोनों एक-दूसरे को बेहतर समझने लगे। समय के साथ यह दोस्ती प्यार में बदल गई। अलग-अलग देशों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से होने के बावजूद दोनों ने एक-दूसरे के साथ जीवन बिताने का फैसला किया। इसके बाद क्रिस्टीना और क्रिस्टीयान ने अपने रिश्ते को विवाह का रूप देने का निर्णय लिया।

कलेक्टर कार्यालय में पूरी हुई शादी की प्रक्रिया

क्रिस्टीना और क्रिस्टीयान ने विवाह के लिए जांजगीर-चांपा जिला कलेक्टर कार्यालय का रुख किया। यहां दोनों ने निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत विवाह की औपचारिकताएं पूरी कीं। जानकारी के मुताबिक, विवाह अधिकारी प्रमोद गुप्ता के समक्ष तीन गवाहों की मौजूदगी में धारा-5 के तहत आवश्यक घोषणा की गई। इसके बाद दोनों का विवाह प्रमाण पत्र जारी किया गया। कार्यालय परिसर में नवविवाहित जोड़े ने एक-दूसरे को माला पहनाकर अपनी नई जिंदगी की शुरुआत की। इस दौरान ली गई तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी सामने आई हैं, जिन्हें लेकर स्थानीय लोगों में चर्चा हो रही है।

नीदरलैंड के रहने वाले हैं दूल्हे क्रिस्टीयान

विवाह प्रमाण पत्र में दर्ज जानकारी के अनुसार, दूल्हे क्रिस्टीयान एंड्रियश वरबूम की उम्र 32 वर्ष है और वे नीदरलैंड के निवासी हैं। उनके पिता का नाम विलेम डीर्क वरबूम है। वहीं, दुल्हन क्रिस्टीना नथेनियल की उम्र 25 वर्ष है। उनके पिता का नाम हनोल नथेनियल है। क्रिस्टीना छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम भुईगांव की रहने वाली हैं। दोनों की अलग-अलग राष्ट्रीयता और पृष्ठभूमि के कारण यह विवाह स्थानीय स्तर पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

दोनों परिवारों की सहमति से हुई शादी

जानकारी के मुताबिक, क्रिस्टीना और क्रिस्टीयान के रिश्ते को दोनों परिवारों का भी समर्थन मिला। दोनों ने अपने परिवारों के सहयोग से विवाह करने का निर्णय लिया और इसके लिए जांजगीर-चांपा में कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इस विवाह में दो अलग-अलग देशों की संस्कृतियों का मेल देखने को मिला। एक ओर छत्तीसगढ़ के गांव से जुड़ी पारिवारिक पृष्ठभूमि है, तो दूसरी ओर नीदरलैंड में रहने वाले युवक का परिवार। परिवारों की सहमति के साथ दोनों ने अपने रिश्ते को एक नई पहचान दी।

छोटे से गांव की बेटी की शादी बनी चर्चा का विषय

पामगढ़ विकासखंड के भुईगांव की बेटी का विदेशी युवक से विवाह होने की खबर स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। गांव से निकलकर विदेश में नौकरी करने पहुंचीं क्रिस्टीना की मुलाकात वहीं अपने जीवनसाथी से हुई। इसके बाद दोनों ने विवाह के लिए छत्तीसगढ़ को चुना।

भिलाई इस्पात संयंत्र को बेचने की योजना संबंधी खबरें असत्य एवं भ्रामक



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने सोशल मीडिया तथा कुछ प्रिंट मीडिया प्रकाशनों में भिलाई इस्पात संयंत्र को बेचने की योजना के संबंध में प्रसारित हो रही खबरों को असत्य एवं भ्रामक बताया है। इस्पात मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से इन दावों का खंडन किया है। साथ ही, प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक इकाई ने भी इन खबरों को झूठा और निराधार बताया है। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपने कर्मचारियों, हितधारकों तथा छत्तीसगढ़ की जनता से अपील की है कि वे ऐसीअपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करें और न ही उन्हें आगे प्रसारित करें। सभी से अनुरोध है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले आधिकारिक एवं प्रमाणित स्रोतों से उसकी पुष्टि अवश्य करें।भिलाई इस्पात संयंत्र केवल एक औद्योगिक प्रतिष्ठान नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की पहचान, गौरव और औद्योगिक विरासत का अभिन्न अंग है। अपनी स्थापना के बाद से ही संयंत्र ने राज्य के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने रोजगार के अवसर सृजित किए हैं, सहायक उद्योगों को प्रोत्साहन दिया है तथा हजारों परिवारों की आजीविका में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसकी गौरवशाली विरासत और उल्लेखनीय योगदान ने इसे छत्तीसगढ़ की जनता के गौरव का प्रतीक बनाया है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की एक प्रमुख इकाई के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र देश के इस्पात क्षेत्र की प्रगति तथा भारत की औद्योगिक क्षमताओं को सुदृढ़ करने में निरंतर योगदान दे रहा है। जनता से अपील है स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ जशपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं, धर्मग्रंथों और ऋषियों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हेमंत कुमार बेदी के रूप में हुई है। उसके खिलाफ विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष करनैल सिंह ने कुनकुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि फेसबुक पर की गई पोस्ट से हिंदू धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी जब्त किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर 2026 को विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष करनैल सिंह ने कुनकुरी थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने बताया कि 15 अक्टूबर को उन्होंने फेसबुक पर हेमंत बेदी नामक व्यक्ति के अकाउंट से एक पोस्ट देखी थी। आरोप है कि इस पोस्ट में हिंदू धर्मग्रंथों, देवी-देवताओं और ऋषियों को लेकर आपत्तिजनक तथा अशोभनीय टिप्पणियां की गई थीं। करनैल सिंह ने शिकायत में कहा कि इस तरह की सामग्री से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और लोगों में नाराजगी है। उन्होंने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

कुनकुरी थाने में दो धाराओं के तहत अपराध दर्ज

विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष की शिकायत पर कुनकुरी थाना पुलिस ने आरोपी हेमंत कुमार बेदी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया। पुलिस के अनुसार, मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 199 और 299 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। शिकायत में उल्लेखित फेसबुक पोस्ट और उससे संबंधित परिस्थितियों को जांच में शामिल किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में आरोपी की तलाश और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

पुलिस को देखकर भागने लगा आरोपी

जशपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर कुनकुरी थाना प्रभारी निरीक्षक भूपेन्द्र कुमार चंद्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, टीम आरोपी हेमंत कुमार बेदी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 35(3) के तहत नोटिस तामील कराने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपी पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

गोवंश हत्या के आरोपियों को देख भड़के हिंदू संगठन, पुलिस से झड़प

राजनांदगांव- गौरी नगर में गोवंशों की हत्या के मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान शनिवार को शहर में तनावपूर्ण स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों का शहर में जुलूस निकाला और उनसे उठक-बैठक भी कराई। इसके बाद आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।इस बीच आरोपियों को न्यायालय में पेश किए जाने की सूचना मिलते ही हिंदू संगठनों के पदाधिकारी वहां पहुंच गए। आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर पहुंचे पदाधिकारी उन्हें देखते ही आक्रोशित हो गए। इस दौरान पुलिस और हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों के बीच जमकर झड़प हुई। न्यायालय परिसर में उस समय काफी गहमागहमी का माहौल बन गया, जब हिंदू संगठन के पदाधिकारी आरोपितों के करीब पहुंचने का प्रयास करने लगे।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों को मशक्कत करनी पड़ी। कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। हालांकि, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए और न्यायालय परिसर से बाहर निकालकर जेल दाखिल करा दिया।

प्रोजेक्ट चहचहाट के तहत अडबंधा तालाब में हुआ बर्ड वॉक



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रोजेक्ट चहचहाट के अंतर्गत जनपद पंचायत धरसीवां की ग्राम पंचायत मांडर स्थित अडबंधा तालाब में बर्ड वॉक का आयोजन किया गया। इसमें गांव की महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों और पक्षी मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बर्ड वॉक के दौरान प्रतिभागियों ने तालाब क्षेत्र में पक्षियों के प्राकृतिक आवास और उनकी विविधता के बारे में जाना। उन्हें पक्षियों तथा जैव विविधता के संरक्षण का महत्व भी बताया गया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करना और प्रकृति से उनका जुड़ाव बढ़ाना है। कार्यक्रम स्थल पर प्रोजेक्ट चहचहाट के अंतर्गत प्रदान की गई फूड कार्ट भी मौजूद रही। इससे स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देने और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया। प्रोजेक्ट चहचहाट के माध्यम से पक्षी संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को जोड़कर प्रकृति संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा तैयार नशामुक्ति जागरूकता वीडियो सॉन्ग 'ड्रग फ्री छत्तीसगढ़' का विमोचन भी किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर नशामुक्ति की पहल, रायपुर में राष्ट्रीय बाइक रैली का अभिनंदन

संवाददाता ➤ रायपुर

राष्ट्रीय एकता दिवस 2026 के अवसर पर नशामुक्त भारत और सशक्त समाज का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रायपुर में राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली का अभिनंदन एवं नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर की ओर से 17 अक्टूबर को सिविल लाइंस स्थित विमतारा हॉल, मधु पिल्लै चौक में आयोजित इस कार्यक्रम में ओडिशा और छत्तीसगढ़ की बाइक राइडर्स टीमों का सम्मान किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा तैयार नशामुक्ति जागरूकता वीडियो सॉन्ग 'ड्रग फ्री छत्तीसगढ़' का विमोचन भी किया गया। साथ ही नशे के अवैध कारोबार की सूचना देने के लिए रायपुर पुलिस ने विशेष हेल्पलाइन नंबर 9479211933 जारी किया।राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'नशामुक्त भारत, सशक्त भारत' का संदेश लेकर ओडिशा से राष्ट्रीय मोटरसाइकिल रैली निकाली गई थी। यह रैली 16 अक्टूबर को रायपुर के मरीन ड्राइव, तेलीबांधा पहुंची, जहां इसका स्वागत किया गया। इसके बाद 17 अक्टूबर को औपचारिक अभिनंदन समारोह और नशामुक्ति जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाना रहा।



पुलिस आयुक्त और विधायक ने युवाओं को दिया संदेश

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला उपस्थित रहे। इसके अलावा डीसीपी क्राइम स्मृतिक राजनाला, डीसीपी नॉर्थ दीपमाला कश्यप, डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के राज्य प्रमुख अनिल कुमार भी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला ने युवाओं को नशे से दूर रहने की प्रेरणा देते हुए कहा, ÷नशा करना ही है, तो जिम्मेदारी और कर्तव्यों के प्रति समर्पण का नशा करें; नशे को कहें 'ना'।

उन्होंने नशे की रोकथाम, अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और जनजागरूकता के माध्यम से नशामुक्त समाज बनाने के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस का सहयोग करें। विधायक पुरंदर मिश्रा ने भी युवाओं से नशे से दूर रहने और परिवार तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम 10 लोगों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संकल्प लेने की अपील की।

'ड्रग फ्री छत्तीसगढ़' वीडियो सॉन्ग का विमोचन

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा तैयार जागरूकता वीडियो सॉन्ग 'ड्रग फ्री छत्तीसगढ़' लॉन्च किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं तक नशामुक्ति का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाना और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। कार्यक्रम में महिला स्वयंसेवी संस्थाओं, मार्शल आर्ट्स के के माध्यम से हिस्सा लिया।

स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं: सोनिया साहू

दुर्ग। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। शासन की योजनाओं और प्रशिक्षण का लाभ लेकर महिलाएं न केवल अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी ग्राम बोडेगांव निवासी सोनिया साहू की है। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किया और आज ग्रामीण ननकट्टी में बैंक सखी के रूप में कार्यरत हैं। इस कार्य के माध्यम से उन्हें लगभग 3,000 रुपये प्रतिमाह की आय प्राप्त हो रही है।जिससे उन्हें आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता का साहू ग्रामीण क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में योगदान दे रही हैं।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।